जल ही जीवन जल सा जीवन, जल्दी ही जल जाओगे,
अगर न बची जल की बूंदें, कैसे प्यास बुझाओगे।
नाती-पोते खड़े रहेंगे जल-राशन की कतारों में,
पानी पर से बिछेंगी लाशें, लाखों और हजारों में।

पर्यावरण प्रेरणा

वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल –उर्जा सरंक्षण, प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।

जल स्टार रमेश गोयल :- 94160-49757

बढती जनता, घटता जंगल,
कम होता जाए है मंगल ।
पीने को नहिं मिलेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।।

कागज का प्रयोग घटाएं,
कम्प्यूटर ई-मेल अपनाएं ।
पेड़ बचेगा, बढ़ेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।।
-रमेश गोयल

पर्यावरण प्रेरणा

वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल – उर्जा सरंक्षण, प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।

Web: www.paryavaranprerana.com
Email paryavaranprerana@gmail.com

जल स्टार रमेश गोयल
9416049757

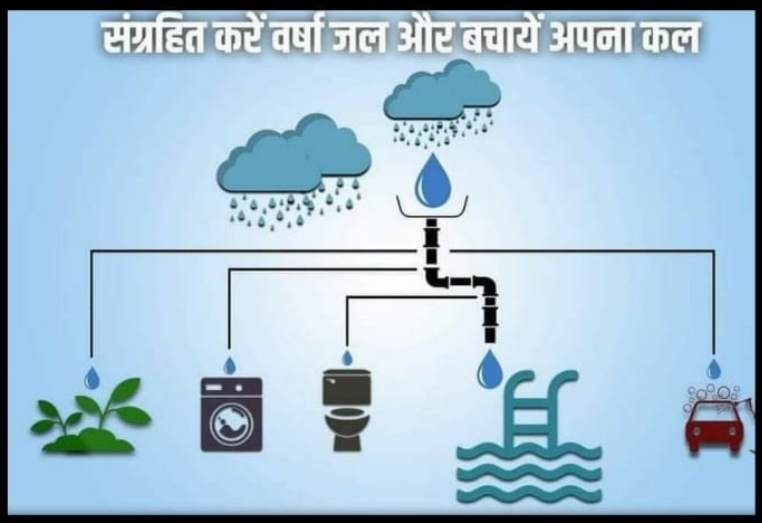

जल संरक्षण तकनीक लाएं, खेती फव्वारा पद्वति अपनाएं ।
बूंद बूंद से बचे़गा जल, बचाना होगा निश्चित जल ।।
वर्षा जल बेकार न जाए, करें रीचार्ज जमीन में जाए ।
भूजल सुधरे, बढेगा जल, बचाना होगा निश्चित जल ।।
-रमेश गोयल

पर्यावरण प्रेरणा

वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल – उर्जा सरंक्षण, प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।

Web: www.paryavaranprerana.com
Email paryavaranprerana@gmail.com

जल स्टार रमेश गोयल
9416049757

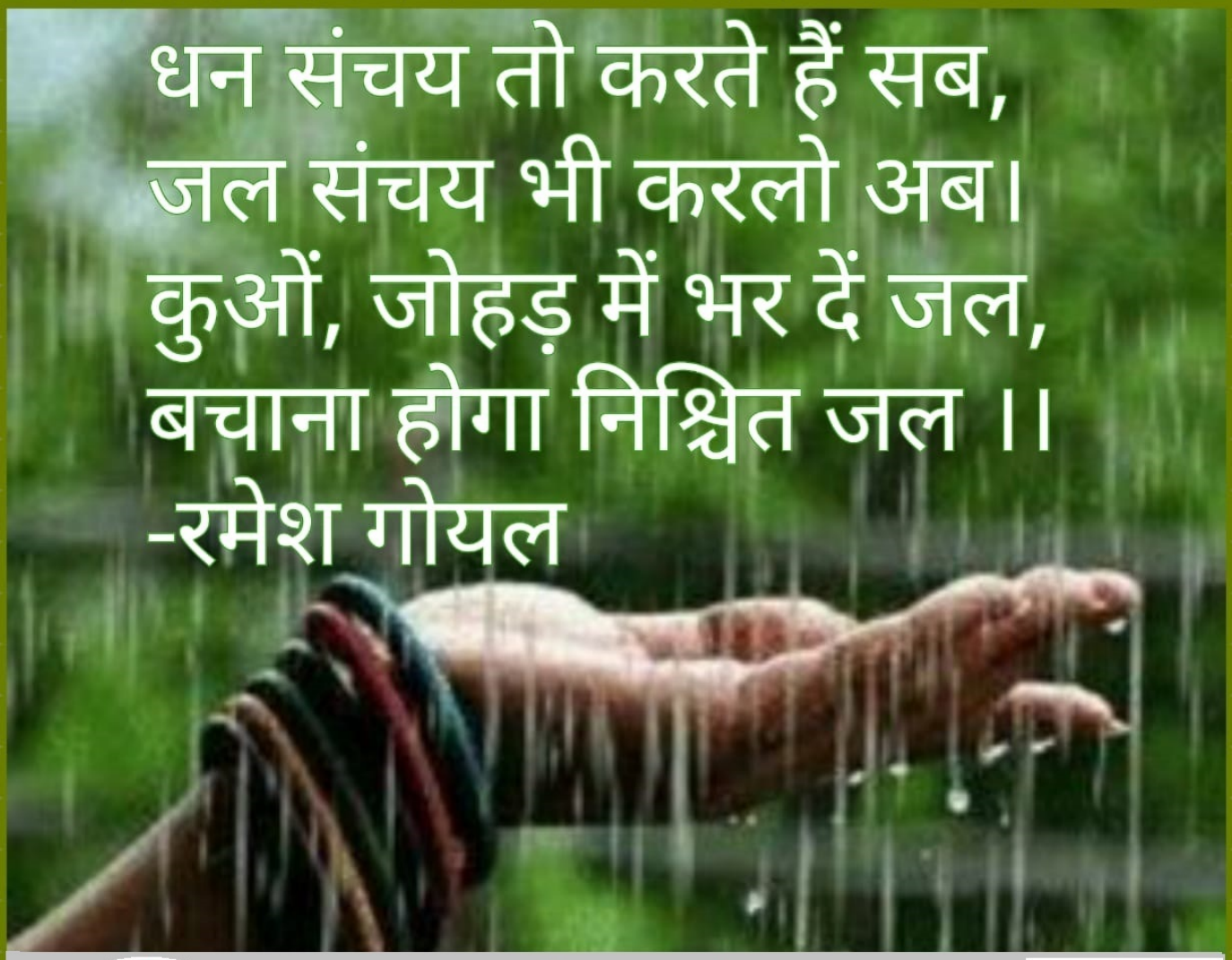

पर्यावरण प्रेरणा

वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल – उर्जा सरंक्षण, प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।

Web: www.paryavaranprerana.com
Email: paryavaranprerana@gmail.com

जल स्टार रमेश गोयल
94160-49757

कैसे होगी फसल बुवाई, बिन पानी ना होगी पकाई ।
अच्छी खेती को चाहिए जल, बचाना होगा निश्चित जल ।।
जल बिन अन्न कहां से होगा, अन्न बिन जीवन का क्या होगा।
अन्न मिले कैसे बिन जल, बचाना होगा निश्चित जल ।।
-रमेश गोयल (जल मनका)

पर्यावरण प्रेरणा

वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल – उर्जा सरंक्षण, प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।

Web: www.paryavaranprerana.com
Email paryavaranprerana@gmail.com

जल स्टार रमेश गोयल
9416049757

शौच से आकर हाथ धोना, कुल्ला करना व मुंह धोना।
साबुन लगाते चले ना नल, बचाना होगा निश्चित जल ।।
शेव करें या करें हम पेस्ट, करें नल बन्द करने का कष्ट।
बिना जरूरत चले ना नल, बचाना होगा निश्चित जल ।।
–रमेश गोयल

पर्यावरण प्रेरणा

वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल – ऊर्जा सरंक्षण, प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।

Web: www.paryavaranprerana.com
Email paryavaranprerana@gmail.com
जलयोद्धा- 9416049757

बूंद बूंद से भरता गागर, गागर से बन जाता सागर ।
खारा है सागर का जल, बचाना होगा निश्चित जल ।।
(रमेश गोयल - जल चालीसा)

पर्यावरण प्रेरणा

वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल – उर्जा सरंक्षण, प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।

Web: www.paryavaranprerana.com
Email paryavaranprerana@gmail.com

जल स्टार रमेश गोयल
9416019757

प्रातः काल उठना शुभकारी,
जल पीना होता हितकारी ।
खुल्ला नहीं रह जाए नल,
बचाना होगा निश्चित जल।।
-रमेश गोयल (जल चालीसा)

पर्यावरण प्रेरणा

वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल – उर्जा सरंक्षण, प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।

Web: www.paryavaranprerana.com
Email paryavaranprerana@gmail.com
जलयोद्धा- 9416049757

कृष्ण ने कालिया नाग को मारा,
मीठा किया यमुना जल खारा ।
हम क्यों डालें उसमें मल,
बचाना होगा निश्चित जल ।।
-रमेश गोयल (जलचालिसा)

पर्यावरण प्रेरणा
वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल – उर्जा सरंक्षण, प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।
Web: www.paryavaranprerana.com
Email paryavaranprerana@gmail.com

जल स्टार रमेश गोयल
9416049757

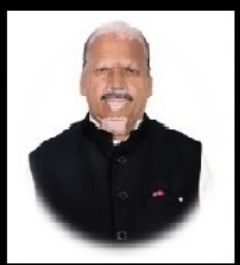

पाईप लिकेज होने ना पाये, गर हो जाये झटपट जुड़वायें ।
रिस नहीं पाये ऐसे जल, बचाना होगा निश्चित जल ।।
-रमेश गोयल

पर्यावरण प्रेरणा

वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल – उर्जा सरंक्षण, प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।

Email paryavaranprerana@gmail.com

Web: www.paryavaranprerana.com

जल स्टार रमेश गोयल (9416049757)

अनमोल है तेरी
एक-एक बूँद।
फिर भी ली है
हमने आखें मूँद।।

जल चालिसा से साभार

जीवन का अनमोल रतन जल, जैसे बचे बचाएं हर पल
जल से जीवन, जीवन ही जल, समझें सब, तभी बचे जल
हम सुधरेंगे जग सुधरेगा, बूंद-बूंद से घड़ा भरेगा
जन जन हमें जगाना होगा, जल सब तरह बचाना होगा

पर्यावरण प्रेरणा

वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल –उर्जा सरंक्षण, प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।

Email paryavaranprerana@gmail.com

Web: www.paryavaranprerana.com

जल स्टार रमेश गोयल :- 9146049757

Save water

जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग
MINISTRY OF JAL SHAKTI
DEPARTMENT OF WATER RESOURCES,
RIVER DEVELOPMENT & GANGA REJUVENATION

DOs

DON'Ts

बर्तन धोते समय नल को व्यर्थ खुला न छोड़ें।

पानी की बर्बादी रोकने का हर प्रयास सराहनीय है

पर्यावरण प्रेरणा

वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल – उर्जा सरंक्षण,
प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।

Email paryavaranprerana@gmail.com

Web: www.paryavaranprerana.com

जल स्टार रमेश गोयल
9416049757

कम वर्षा है अति तड़पाती, बिन पानी खेती जल जाती।
वर्षा जल एकत्र करेंगे, इसी बात का ध्यान धरेंगे।
रमेश गोयल "जल चालीसा"

पर्यावरण प्रेरणा
वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल – उर्जा सरंक्षण, प्रदूषण
रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।
Email paryavaranprerana@gmail.com
Web: www.paryavaranprerana.com
जलयोद्धा :-9416049757

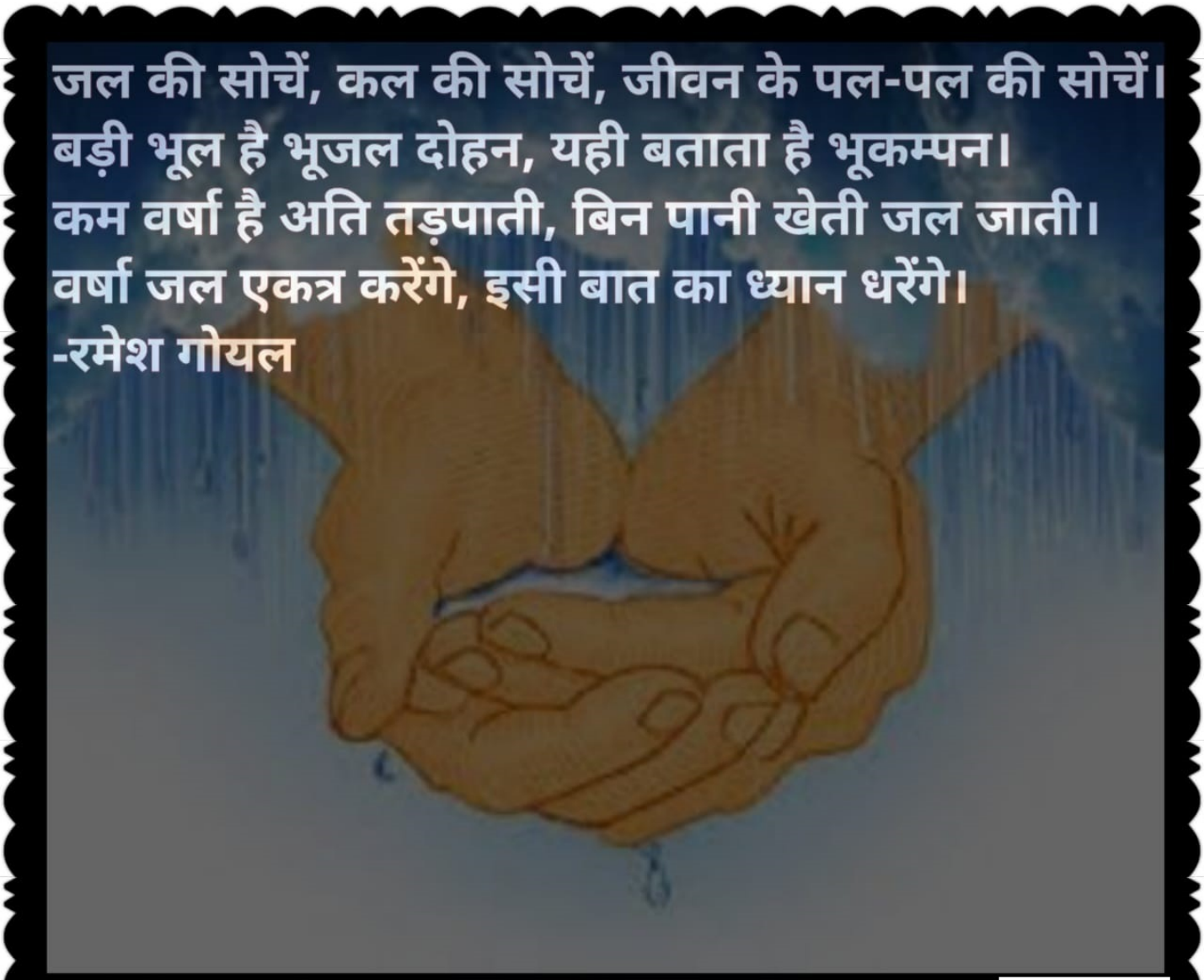

पर्यावरण प्रेरणा

वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल – उर्जा सरंक्षण, प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।

Email: paryavaranprerana@gmail.com

Web: www.paryavaranprerana.com

जलयोद्धा रमेश गोयल
9416049757

जल की सोचें, कल की सोचें, जीवन के पल-पल की सोचें।
बड़ी भूल है भूजल दोहन, यही बताता है भूकम्पन।
कम वर्षा है अति तड़पाती, बिन पानी खेती जल जाती।
वर्षा जल एकत्र करेंगे, इसी बात का ध्यान धरेंगे।
-रमेश गोयल

पर्यावरण प्रेरणा

वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल – उर्जा सरंक्षण, प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।

Email: paryavaranprerana@gmail.com

Web: www.paryavaranprerana.com

जल स्टार रमेश गोयल
9416049757

बचाना होगा निश्चित जल

एक था राजा एक थी रानी, फिर ना कहना एक था पानी ।
अगर खुशहाल बनाना है कल, बचाना होगा निश्चित जल ।।

प्रातः काल उठना शुभकारी, जल पीना होता हितकारी ।
खुल्ला नहीं रह जाए नल, बचाना होगा निश्चित जल।।

शौच से आकर हाथ धोना, कुल्ला करना व मुंह धोना।
साबुन लगाते चले ना नल, बचाना होगा निश्चित जल ।।

शेव करें या करें हम पेस्ट, करें नल बन्द करने का कष्ट।
बिना जरूरत चले ना नल, बचाना होगा निश्चित जल ।।

नहाते समय बाल्टी भरना, फव्वारा उपयोग ना करना।
बाल्टी भरे पर बहे ना जल, बचाना होगा निश्चित जल ।।

पाईप लगा कर फर्श ना धोना, धूले कार तो जल मत खोना।
पाईप से बहे कभी न जल, बचाना होगा निश्चित जल ।।

बिन कारण टुंटी मत खोलो, बन्द करो हाथ जब धोलो।
बेकार कभी भी चले न नल, बचाना होगा निश्चित जल ।।

प्यास लगे तो चाहिए पानी, नहीं मिले याद आए नानी।
प्राण बचाता तब केवल जल, बचाना होगा निश्चित जल ।।

तीन चौथाई जल दुनिया अन्दर, भरे पड़े हैं कई समन्दर ।
काम ना आता खारा जल, बचाना होगा निश्चित जल ।।

हम सब मिल संकल्प करेंगे, पानी कभी ना व्यर्थ करेंगे।
ताकि कभी ना सुखे नल, बचाना होगा निश्चित जल ।।
-रमेश गोयल

पर्यावरण प्रेरणा
वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल – उर्जा संरक्षण, प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।
Email: paryavaranprerana@gmail.com
Web: www.paryavaranprerana.com
जलयोद्धा रमेश गोयल
9416049757

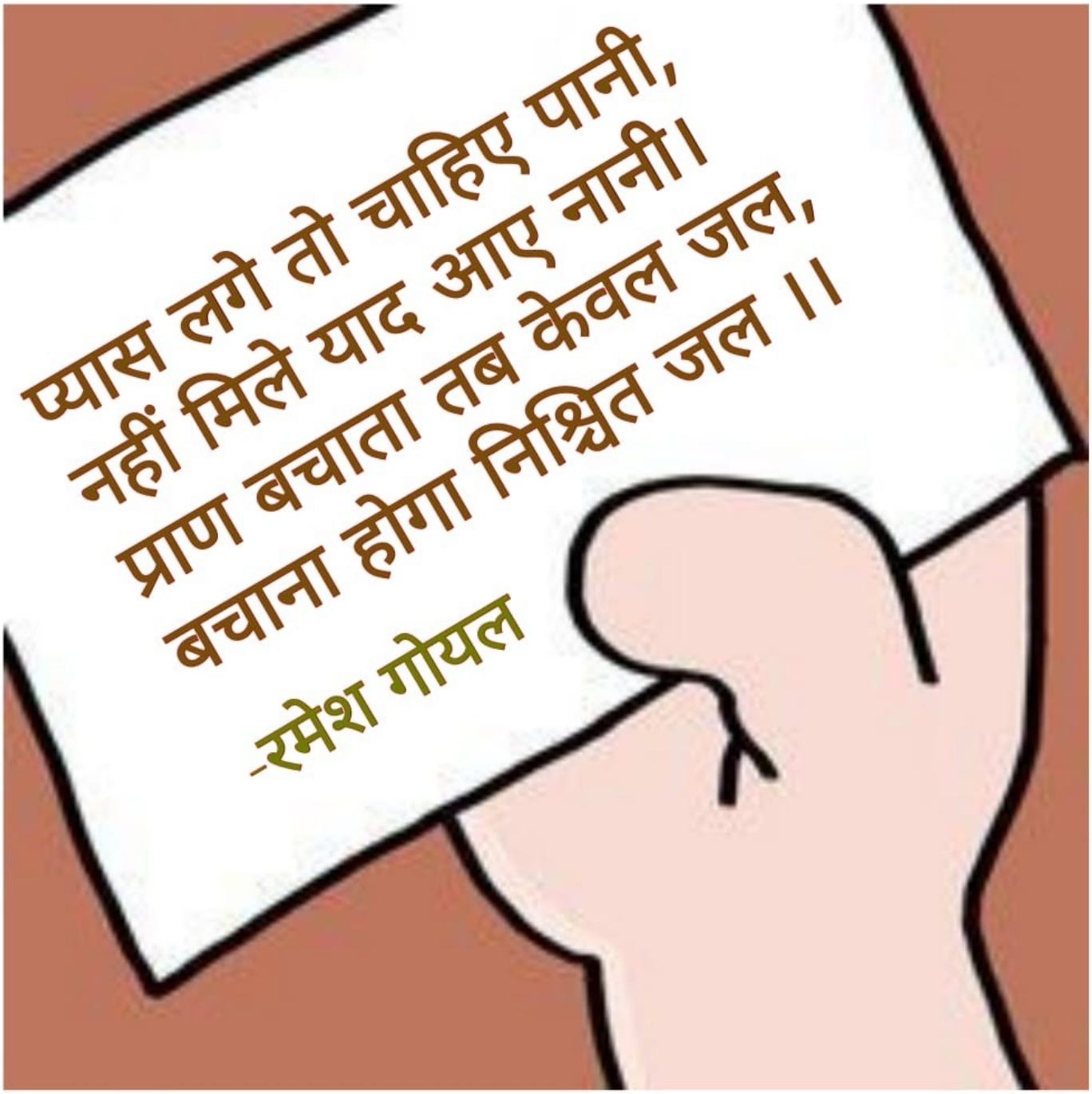

पर्यावरण प्रेरणा

वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल –उर्जा सरंक्षण, प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।

Email paryavaranprerana@gmail.com
Web: www.paryavaranprerana.com

जल स्टार रमेश गोयल
9416049757

जरा सोचें

नाले हम नदियों में डालें,
गन्दा वातावरण हम ही पालें।
रखना होगा शुद्धित जल,
बचाना होगा निश्चित जल।

-रमेश गोयल

पर्यावरण प्रेरणा

वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल –उर्जा सरंक्षण, प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।

Email paryavaranprerana@gmail.com

Web: www.paryavaranprerana.com

जल स्टार रमेश गोयल
9416049757

आओ मिलकर पेड़ लगाएं

साँसें हो रही हैं कम
आओ पेड़ लगाएं हम

पर्यावरण प्रेरणा

वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल – उर्जा सरंक्षण, प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।

जल स्टार रमेश गोयल
9416049757

paryavaranprerana@gmail.com
www.paryavaranprerana.com

एक वृक्ष का मुल्य

पर्यावरण प्रेरणा

वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल–उर्जा सरंक्षण, प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।

जल स्टार रमेश गोयल
9416049757

Email paryavaranprerana@gmail.com Web: www.paryavaranprerana.com

आओ जल संचय का संकल्प लेवें

अनमोल है तेरी एक-एक बूँद,
फिर भी ली हैं हमने आँखें मूँद ...

जल स्टार रमेश गोयल
राष्ट्रीय अध्यक्ष, पर्यावरण प्रेरणा
9416049757

पौधे उगाने के लिए
नारियल के खोल का इस्तेमाल करे,
प्लास्टिक-फ्री शहर की
दिशा में कदम!

जल स्टार रमेश गोयल
9416049757

Email: paryavaranprerana@gmail.com Web: www.paryavaranprerana.com

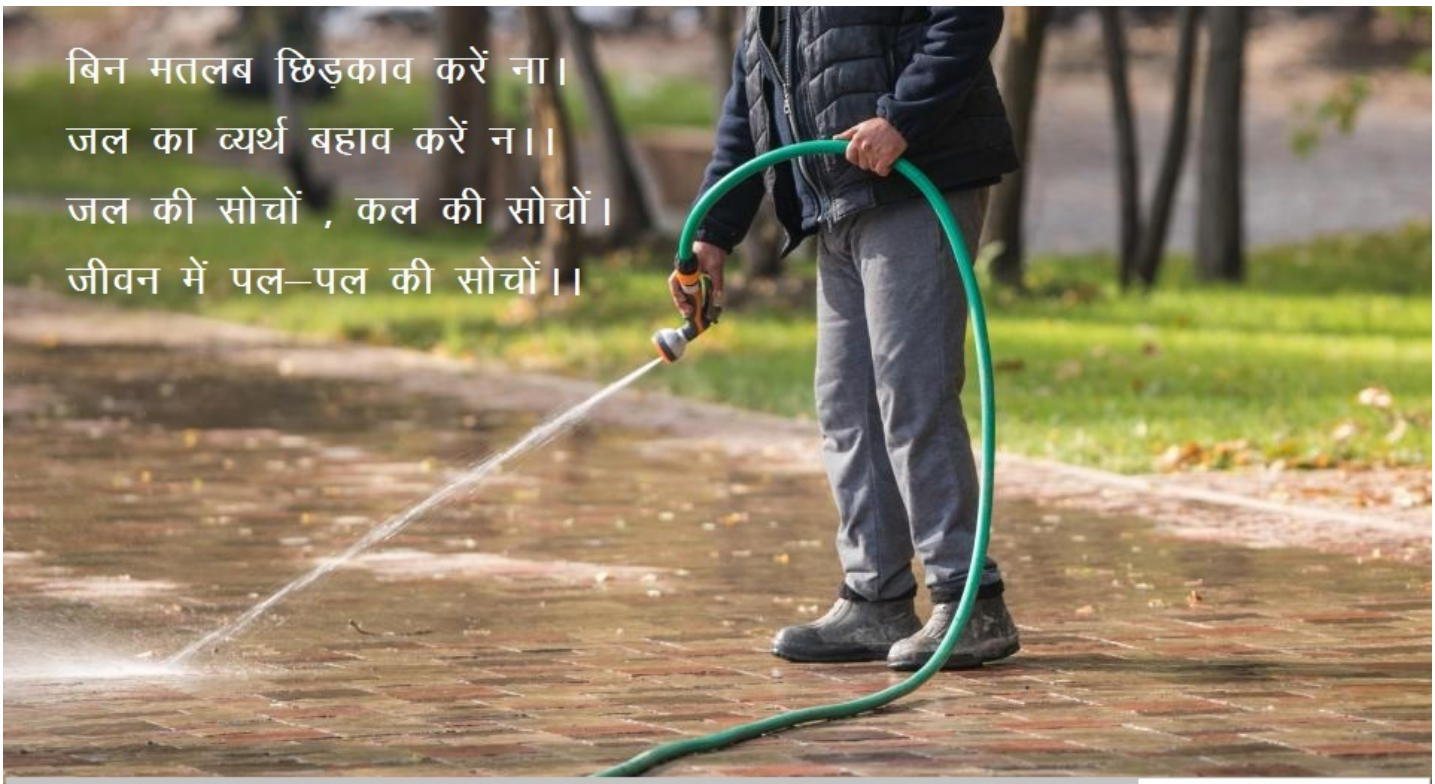

पर्यावरण प्रेरणा

वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल–उर्जा सरंक्षण,
प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित
राष्ट्रीय संस्था।

Email paryavaranprerana@gmail.com

Web: www.paryavaranprerana.com

जल स्टार रमेश गोयल
9416049757

जल बचाओ, जीवन बचाओ . . .

जीवन जीवाधार सदा जल।
कुदरत का उपहार सदा जल।।
धन संचय तो करते हैं सब।
जल संचय भी हम कर लें अब।।

पर्यावरण प्रेरणा

वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल – उर्जा सरंक्षण प्रदूषण रोकथाम व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था।

Email: paryavaranprerana@gmail.com

Web: www.paryavaranprerana.com

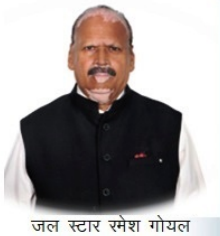

जल स्टार रमेश गोयल
9416049757

पार्क में आने वालों को वितरित किए कपड़े के थैले

पल पल न्यूजः सिरसा, 25 अगस्त। पर्यावरण प्रेरणा जो पौधारोपण व वृक्ष रक्षण, जल-ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण की रोकथाम, प्लास्टिक मुक्त भारत व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था है और 5 जून 2021 से मिशन-व्यर्थ का सदुपयोग अधीन थैली छोड़ो, थैला पकड़ो अभियान चलाए हुए है, द्वारा गत दिवस भादरा तालाब पार्क सिरसा में बैंक से सेवा निवृत प्रबन्धक व योगाचार्य हरदयाल बेरी व उनकी धर्मपत्नी लछमी बेरी द्वारा चलाई जा रही योग कक्षाओं में साधकों को थैले वितरित किए गए। संस्था के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश गोयल ने कैमिकल को प्लास्टिक निर्माण का आधार बताते हुए उससे होने वाली हानियों के विषय में जानकारी दी तथा सुरक्षित भविष्य के लिए इसे प्रयोग न करने की अपील की। उन्होंने बताया कि संस्था थैला बनवाने के लिए कई बहिनों को रोजगार उपलब्ध करवा रही है। वहीं उन सब कपड़ा व्यापारियों का भी आभार व्यक्त किया जो बचे हुए छोटे छोटे कटपीस थैला बनाने के लिए संस्था को निशुल्क उपलब्ध करवा रहे हैं तथा शहर के सभी कपड़ा व्यापारियों से अपील की कि वे इस जनहित कार्य व आमजन के स्वास्थ्य रक्षण हेतु ऐसे कपड़े देकर सहयोग करें। बेरी ने सभी साधकों से निज हित में इस यज्ञ में सम्मिलित होने की अपील करते हुए पर्यावरण प्रेरणा के सभी साथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सन्दीप खुराना शाखा सचिव,सविता व भगवान दास कार्यक्रम संयोजक उपस्थित थे।

संस्था ने थैली छोड़ो अभियान के तहत कपड़े के थैले वितरित किए

पल पल न्यूज़: सिरसा, 11 अगस्त। पौधारोपण व वृक्ष रक्षण, जल ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त भारत व स्वच्छता के निमित्त राष्ट्रीय संस्था पर्यावरण प्रेरणा की ओर से थैली छोड़ो थैला पकड़ो अभियान का शुभारंभ विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2021 को किया गया था जिसमें उपायुक्त सिरसा मुख्य अतिथि थे। जनता को थैली के विकल्प के रूप में कपड़े का थैला उपलब्ध कराने के संकल्प को नेहरू पार्क सिरसा में योगाचार्य सुरेश तायल के निर्देशन में चल रही योग कक्षा में साधकों को थैले देकर आगे बढ़ाया। जल स्टार रमेश गोयल, संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष पर्यावरण प्रेरणा ने प्लास्टिक से खाद्य पदार्थों में होने वाली हानियों के अतिरिक्त पर्यावरण के लिए यह कितनी घातक है, के सम्बंध में बताते हुए कहा कि भूमि में गाड़ने पर सैकड़ों वर्ष न गलने वाली इस पदार्थ को जलाने पर यह जहरीला धुआं छोड़ता है जो पर्यावरण व स्वास्थ्य दोनों के लिए बहुत हानिकारक है। उन्होंने उपस्थित लोगों को थैली की बजाय थैले के अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए संकल्प भी कराया। नरेन्द्र सिंह शाखाध्यक्ष ने भी वैश्विक तापमान बढ़ने के कारणों में प्लास्टिक सामान की बड़ी भूमिका पर बताया। सुरेश तायल ने पर्यावरण प्रेरणा के सभी साथियों का अभिनंदन व आभार प्रकट किया। इस अवसर पर संदीप खुराना शाखा सचिव, सविता बांसल थैली छोड़ो अभियान संयोजक सुमन मित्तल, जिलाधिकारी व भगवान दास शिक्षक उपस्थित थे।

सराहनीय गोयल के निजी प्रयास से पर्यावरण को मिलेगा आवरण

2450 वर्ग गज में बनेगा पर्यावरण भवन

जागरण संवाददाता, सिरसा : वर्षों से जल बचाव की मुहिम चलाने वाले पर्यावरणविद रमेश गोयल ने पर्यावरण भवन बनाने के लिए 600 गज जमीन दान दे दी है। कुल 2450 वर्ग गज भूमि पर पर्यावरण भवन बनाने की जिम्मेवारी पर्यावरण प्रेरणा संस्था के हाथ में रहेगी।

पर्यावरण संरक्षण

पर्यावरण भवन की पहल पर्यावरणविद एवं वाटर हीरो अवार्डी रमेश गोयल एडवोकेट ने सिरसा सहित कई राज्यों में पर्यावरण संरक्षण व जल बचाने की मुहिम चलाई हुई है। उन्होंने ही पर्यावरण प्रेरणा संस्था का गठन वर्ष 2007-08 में किया था जिसकी अब नौ प्रांतों में इकाई स्थापित है। अब उन्होंने पर्यावरण से जुड़े ट्रेनी कार्यक्रम व दूसरे प्रोजेक्ट के लिए पर्यावरण भवन बनाने का संकल्प लिया है और इसके लिए जमीन दान दे दी है।

प्रोजेक्ट में पर्यावरण के हर घटक की मिलेगी जानकारी

रमेश गोयल एडवोकेट ने बताया कि यह एक अलग तरह का पर्यावरण भवन होगा जिसमें समस्या के समाधान पर बल दिया जाएगा। पानी की बचत किन-किन तरीकों से की जा सकती है यह देखा जा सकेगा। प्लास्टिक का कैसे सदुपयोग करें और उसे पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे उसका लेकर अलग-अलग डैमों होंगे। व्यर्थ के सामान का निर्माण कार्य में कैसे प्रयोग करें इसकी भी जानकारी मिलेगी। संस्था का अभियान सिंगल यूथ प्लास्टिक प्रयोग रोकने को लेकर थैली छोड़ो, थैला पकड़ो की ट्रेनिंग भी यहां करवाई जाएगी। रमेश गोयल ने कहा कि उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए जो सीखा है उसे अब तक सभा व अन्य स्थानों पर समझाते आए हैं। इस भवन में पर्यावरण के जितने भी घटक हैं उन सबके बारे में जानकारी हासिल होगी ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं।

पर्यावरण की स्वच्छता के लिए पौधारोपण के साथ-साथ कपड़े व जूट के थैलों का उपयोग जरूरी: अनीश यादव

पल पल न्यूज़: सिरसा।

नव नियुक्त उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि पर्यावरण की स्वच्छता के लिए पौधारोपण के साथ-साथ पॉलिथीन की बजाए कपड़े व जूट के थैलों का उपयोग जरूरी है। इसके लिए हम सभी को अपनी सोच में बदलाव लाना होगा और स्वच्छ पर्यावरण की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्राचीन पद्धति को फिर से अपनाना होगा।

उपायुक्त शनिवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्थानीय मुलतानी धर्मशाला में पर्यावरण प्रेरणा संस्था द्वारा आयोजित 'थैली छोड़ो-थैला पकड़ो' अभियान के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यअतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में संस्था द्वारा चलाए गए थैली छोड़ो-थैला पकड़ो अभियान की सराहना की और कहा कि इस अभियान का उद्देश्य तभी सार्थक होगा जब हर नागरिक दिल से पॉलिथीन को छोड़कर कपड़े व जूट के थैले को अपनाएंगे। इस अवसर पर उपायुक्त ने उपस्थित जनों को पॉलिथीन का उपयोग न करने तथा पर्यावरण शुद्ध बनाने में अपना योगदान देने की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश गोयल ने की। इस अवसर पर शाखाध्यक्ष नरेंद्र सिंह, सचिव संदीप खुराना, शाखा उपाध्यक्ष मोहित सोनी, मुलतानी धर्मशाला के सचिव भूपेश मेहता, दूरभाष पूर्व अधिकारी अशोक गुप्ता, पौधारोपण को समर्पित विक्की मेहता सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इससे पहले उपायुक्त ने लघुसचिवालय परिसर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए जिलावासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। इस दौरान जिला वन अधिकारी रामकुमार जांगड़ा सहित विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि हम अपनी दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव करके पर्यावरण संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकते हैं। उपायुक्त ने कहा कि वन विभाग द्वारा जिला में पौधारोपण की सभी तैयारियां पूर्ण की जा चुकी हैं। जिला में मानसून सीजन में 18 लाख पौधे लगाकर हरियाली को बढ़ाया जाएगा। पौधारोपण अभियान में पंचायतों, स्कूलों (खुलने पर) सहित विभिन्न विभागों के अलावा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं का भी सहयोग लिया जाएगा। संस्था के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश गोयल ने कहा कि संस्था का उद्देश्य है कि पर्यावरण को शुद्ध बनाने में अधिक से अधिक कार्य करें जिससे समाज के लोग व विद्यार्थी पर्यावरण व जल संरक्षण की प्रेरणा ले सकें। संस्था द्वारा नाम मात्र पांच रुपये में कपड़े का थैला उपलब्ध करवाया जाएगा जिसे आमजन प्लास्टिक थैली के स्थान पर सामान लाने के लिए प्रयोग कर सकते हैं।

बक्सवाहा के जंगलों को बचाने के लिए पर्यावरण प्रेरणा संस्था ने किया प्रदर्शन

पल पल न्यूज: सिरसा, 7 जून। विश्व पर्यावरण दिवस पर 5 जून को राष्ट्रीय संस्था पर्यावरण प्रेरणा की सिरसा शाखा के तत्वावधान में बक्सवाहा जंगल बचाने के लिए स्थानीय जगदेव चौक पर संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष जल स्टार रमेश गोयल के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया और बक्सवाहा जंगल न काटने की मांग की गई। गोयल ने प्रश्न किया कि पेड़/ऑक्सीजन जरूरी या हीरा। वास्तव में मध्य प्रदेश के छतरपुर इलाके में बक्सवाहा जंगल के नीचे दबे लगभग 50000 करोड़ के हीरा उत्खनन के लिए लगभग ढाई लाख पेड़ों को काटे जाने हैं। बक्सवाहा की जमीन के नीचे छिपे बहुमूल्य हीरों को प्राप्त करने के लिए राज्य सरकार ने एक निजी कंपनी को बक्सवाहा के जंगल 50 साल के लिए लीज पर दे दिए हैं क्योंकि इस ज़मीन के नीचे छुपे हैं पन्ना से 15 गुना ज्यादा हीरे और इन्हीं हीरो को पाने के लिए 382.131 हेक्टेयर के जंगल का कत्ल किया जाएगा जिसके लिए मध्यप्रदेश सरकार ने स्वीकृति दे दी है। स्थानीय लोगों ने सरकार के विरुद्ध आंदोलन आरम्भ कर दिया है। वन अधिकार कार्यकर्ता इस क्षेत्र में रहने वाले वन्यप्राणियों और आम लोगों के हित को देखते हुए पेड़

काटे जाने का प्रबल विरोध कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बक्सवाहा बचाओ आंदोलन को देश भर के पर्यावरण प्रेमियों व कार्यकर्ताओं का समर्थन मिल रहा है। प्रकृति व पर्यावरण के विपरीत विकास के नाम पर किए जा रहे विनाश व काटे जा रहे अनंत वृक्षों के कारण ही कोरोना जैसी महामारी का प्रादुर्भाव हुआ है। सड़कों का जाल बिछने, मार्गों को चौड़ा करने, नए उद्योग स्थापित करने, नई कलोनियां या शहर विकसित करने आदि के नाम पर प्रति वर्ष एक एक प्रांत में लाखों वृक्षों का कत्ल किया जा रहा है और पौधारोपण वृक्षारोपण के नाम पर औपचारिकताएं पूरी करते हुए अरबों रुपये का भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि अब से लगभग एक सौ वर्ष पूर्व पृथ्वी पर 50 प्रतिशत जंगल था जो अब 10 प्रतिशत से भी कम रह गया है। जंगल मे रहने वाले लाखों प्राणी मोर, हिरण, नीलगाय, बंदर बहुत से पक्षी आदि अन्य जीव सभी बेघर हो जाएंगे। साथ ही बुंदेलखंड की जमीन से एक सुंदर जंगल का नामो निशान मिट जाएगा। जंगल से मिलने वाला लाखों टन फलों व अन्य भोज्य पदार्थों से वंचित होना पड़ेगा। आज के समय में ऐसे जंगल को निर्मित कर पाना असंभव है हमें इसे बचाना ही होगा। उन्होंने जन सामान्य से अपील की कि मिलकर बक्सवाहा जंगल व इस प्रकार काटे जाने वाले अन्य वृक्षों को बचाने का प्रयास करें। उल्लेखनीय है कि इस जंगल को बचाने के लिए संस्था की ओर से उपायुक्त महोदय को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व मुख्य न्यायाधीश के नाम ज्ञापन भी दिया गया था। यह जानकारी देते हुए शाखाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह ने बताया कि इस संस्था पर्यावरण के सभी घटकों पर कार्य कर रही है। विश्व पर्यावरण दिवस पर ही थैली छोड़ों थैला पकड़ो अभियान का शुभारंभ किया गया है ताकि पोलिथिन मुक्त नगर व जिला बना सकें। इस अवसर पर सन्दीप खुराना, उपाध्यक्ष मोहित सोनी व नगर के पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे।

पर्यावरण की स्वच्छता के लिए पौधारोपण के साथ-साथ कपड़े व जूट के थैलों का उपयोग जरूरी : अनीश

सिरसा। नव नियुक्त उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि पर्यावरण की स्वच्छता के लिए पौधारोपण के साथ-साथ पॉलिथीन की बजाए कपड़े व जूट के थैलों का उपयोग जरूरी है। इसके लिए हम सभी को अपनी सोच में बदलाव लाना होगा और स्वच्छ पर्यावरण की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्राचीन पद्धति को फिर से अपनाना होगा।

उपायुक्त शनिवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्थानीय मुलतानी धर्मशाला में पर्यावरण प्रेरणा संस्था द्वारा आयोजित 'थैली छोड़ो-थैला पकड़ो अभियान के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यअतिथि के रुप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में संस्था द्वारा चलाए गए थैली छोड़ो-थैला पकड़ों अभियान की सराहना की और कहा कि इस अभियान का उद्देश्य तभी सार्थक होगा जब हर नागरिक दिल से पॉलिथीन को छोड़कर कपड़े व जूट के थैले को अपनाएंगे। इस अवसर पर उपायुक्त ने उपस्थित जनों को पॉलिथीन का उपयोग न करने तथा

पर्यावरण शुद्ध बनाने में अपना योगदान देने की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश गो... पर शाख... खुर... मुल... महता, ... नागरिक उपस्थित रहे।

इससे पहले उपायुक्त ने लघुसचिवालय परिसर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते ... से अधिक से अधिक ... आह्वान ... आने ... पर्यावरण ... पौधारोपण के साथ-स... बनें और पौधों का ... परिवार के सदस्यों की

रमेश गोयल ने जंगल न काटने को लेकर दिया ज्ञापन

सिरसा (निस)। राष्ट्रीय संस्था पर्यावरण प्रेरणा के तत्वावधान में भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व मुख्य न्यायाधीश, उच्चतम न्यायालय के नाम उपायुक्त, सिरसा के माध्यम से मध्य प्रदेश के बक्सवाहा में जंगल न काटने के लिए ज्ञापन दिया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष पर्यावरणविद व जल स्टार रमेश गोयल ने बताया कि मध्य प्रदेश के बक्सवाहा जंगल के लगभग ढाई लाख पेड़ हीरे प्राप्ति हेतु काटे जाने हैं जो इस देश में प्राकृतिक संसाधनों विशेषकर वृक्ष काटने की अब तक की सबसे बड़ी त्रासदी होगी। इस जंगल से जन समान्य को मिलने वाली जीवनदायिनी आक्सीजन का स्तर ही प्रभावित नहीं होगा बल्कि अन्य अनेक स्वतः मिलने वाले प्राकृतिक लाभ भी समाप्त हो जायेंगे जिसकी अपूर्णीय क्षति किसी अन्य प्रकार से पूर्ण नहीं की जा सकेगी। जंगल में रहने वाले लाखों पशु पक्षी बेघर ही नहीं हो जायेंगे बल्कि अधिकाशं मर जायेंगे। वृक्ष आक्सीजन का एक मात्र प्राकृतिक स्त्रोत ही नहीं है बल्कि प्रदूषण को कम करने में भी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि देश ने 2020 व 2021 की महामारी में वृक्षों व आक्सीजन की महता को प्रत्यक्ष अनुभव किया है तथा यदि यूं ही जंगल कटते रहे तो भविष्य में ऐसी त्रासदी की सम्भवनाएं और भी बढ़ेंगी।

संस्था ने देश के सर्वोच्च नेतृत्व से अनुरोध किया है कि इसका स्वयं संज्ञान लेकर बक्सवाहा जंगल को कटने से बचाकर जनहित को स्वीकृति प्रदान करें।

मानव खुद अपनी तबाही की ओर बढ़ रहा है : गोयल

पल पल न्यूजः सिरसा, 8 फरवरी। तपोवन घाटी में ग्लेशियर टुटने से हुई भारी तबाही पर चिन्ता व मृतकों को श्रद्धांजली अर्पित करते हुए पर्यावरणविद् व जल स्टार रमेश गोयल ने कहा कि मानव विकास के नाम पर स्वयं तबाही की ओर बढ़ रहा है। पहाड़ों से छेड़छाड़ कितनी महंगी पड़ रही है। सुरंगें बनाने के लिए विस्फोट सामान्य बात है और इन्हीं विस्फोटों के कारण पहाड़ दरक रहे हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियर पिघलना ही बहुत बड़ी चिन्ता का विषय है और इस प्रकार ग्लेशियर का टुटना, जिसके कारण ऋषि गंगा नदी में भूचाल आया जैसे बादल फट गए हों, बहुत दुखदायी है। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन दोनों विद्युत प्रोजेक्ट आरम्भ से ही पर्यावरण के लिए खतरनाक माने जाते रहे हैं परन्तु फिर भी विकास के नाम पर खतरनाक खेल जारी था। इस त्रासदी में दोनों विद्युत प्रोजेक्ट भी धराशायी हो गए और विनाश का तांडव झेलना पड़ा है सो अलग। माया मिली ना राम यानी प्रोजेक्ट भी गए और विनाश भी झेलना पड़ा। उन्होंने चेतावनी भरे शब्दों में सभी सरकारों से आग्रह किया है कि विकास के नाम पर पर्यावरण व प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के विपरीत कार्य करना बन्द करें।

आद्रक्षेत्र प्रकृति और मानवता बनाए रखने में सहायक होते हैं: गोयल

पल पल न्यूज: सिरसा, 2 फरवरी। विश्व आद्रभूमि दिवस के अवसर पर पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, हरियाणा द्वारा केन्द्रीय आद्रभूमि अधिनियम अधीन बनाई गई सलाहकार समिति के सदस्य पर्यावरणविद् एवं जल स्टार रमेश गोयल ने कहा कि ताजा और खारे पानी के आद्रक्षेत्र प्रकृति और मानवता बनाए रखने में सहायक होते हैं और वे कई प्रकार से हमारे आर्थिक व सामाजिक विकास का समर्थन करते हैं। उन्होंने बताया कि हर वर्ष 2 फरवरी को विश्व आद्रभूमि दिवस (वर्ल्ड वैटलैंड डे) मनाया जाता है ताकि विश्व भर में विभिन्न उपायों व आयोजनों के माध्यम से इसके बारे में वैश्विक स्तर पर जन सामान्य को जागरूक किया जा सके। पानी की कमी को कम करने में आद्रभूमि महत्वपूर्ण सिद्ध होती है। आद्रभूमि के माध्यम से ताजा पानी उपलब्ध किया जा सकता है और जल संग्रहण का भी यह एक उतम साधन है। वैश्विक स्तर पर आर्थिक तंत्र में आद्रभूमि का अरबों डालर का योगदान है। उन्होंने कहा कि सरकारों को इस ओर अधिक ध्यान देना चाहिए।

संयुक्त तत्वावधान में आयोजित योग दुनिया में दोबारा से ख्याति दिलाने उन्होंने कहा कि कोरोना वैश्विक

पटाखों पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय सराहनीय: रमेश गोयल

पल पल न्यूज: सिरसा, 8 नवंबर। हरियाणा सरकार द्वारा दीपावली के इस अवसर पर प्रदूषण की रोकथाम के लिए पटाखों पर लगाए गए प्रतिबंध का अभिनंदन करते हुए प्रतिष्ठित पर्यावरणविद एवं जल स्टार रमेश गोयल, जो भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय मंत्री पर्यावरण रहे हैं तथा पर्यावरण प्रेरणा संस्था के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, ने कहा कि सरकार ने उचित समय पर सही निर्णय लेकर लोगों को ध्वनि एवं वायु प्रदूषण से छुटकारा दिलाया है और प्रदेश के लाखों रोगियों को जो सांस के रोग से, कोरोना से या अन्य ऐसे रोगों से पीड़ित हैं को बहुत राहत प्रदान की है। उन्होंने कहा पटाखा एक क्षणिक सुख प्रदान करता है जो सीधे-सीधे नोटों को आग लगाने से मिलता है लेकिन साथ में पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए इतना अधिक घातक है कि अनेक लोग वर्षों उसका दंड भुगतते हैं। उन्होंने कहा की पटाखों के शोर और प्रदूषण के कारण हर वर्ष एक दिन में करोड़ों पक्षी पूरे देश में मर जाते हैं। आंकड़ों के अनुसार अब तक प्रदूषण व तापमान के कारण 70 प्रतिशत पक्षी मर चुके हैं। उन्होंने देशवासियों से प्रांत वासियों से निवेदन किया है कि इसे धार्मिकता या अन्य किसी विषय से जोड़ने की बजाय स्वास्थ्य से और पर्यावरण से जोड़कर ही देखें तथा अपने-अपने परिजनों व इष्ट मित्रों के हित में समझ कर पूर्णरूपेण पालन करें बल्कि संकल्प करें कि पटाखा कभी भी अपने जीवन में नहीं बजाएंगे, नहीं चलाएंगे और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करेंगे।

गोयल ने दिल्ली सरकार का भी आभार व्यक्त किया है कि उन्होंने पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने में पहल की। साथ ही केंद्र सरकार से अनुरोध किया है कि एक अध्यादेश के द्वारा पूरे देश में पटाखों की बिक्री पर, उन्हें चलाने पर रोक लगाई जाये। जिन प्रांतों में कोरोना का अधिक प्रकोप रहा है या अभी भी है उन सभी प्रांतों को भी दिल्ली और हरियाणा का अनुसरण करना चाहिए और पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध अविलंब लगाना चाहिए।

5/8

वृक्ष ही जीवन का आधार हैं, आओ पौधरोपण करें

परत-दर-परत, सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा में पौधारोपण अभियान अधीन आयोजन में कुलपति तथा शिक्षा बचाओ समिति के सदस्यों के साथ पौधारोपण करते हुए पर्यावरण प्रेरणा के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय मंत्री पर्यावरण रमेश गोयल ने कुलपति सोलंकी की विश्वविद्यालय में पौधारोपण अभियान चलानेके लिए प्रशंसा करते हुए कहा कि वृक्ष ही जीवन का आधार है। जीवन के लिए सर्वाधिक आवश्यक आक्सीजन ही केवल प्रदान नहीं करते बल्कि प्रदूषण व तापमान को भी नियन्त्रित करते हैं। उन्होंने जन सामान्य से अपील की है कि हर व्यक्ति हर वर्ष एक फलदार, छायादार या औषधीय वृक्ष अवश्य लगाएं। वर्षा व जलपूर्ति के लिए भी वृक्ष की महता बताते हुए उन्होंने कहा कि हरे-भरे हम पेड़ लगाएं, उमड़-घुमड़ घन बरखा लाएं। पेड़ों के बिन मेघ ना बरसें, लगें पेड़ तो फिर क्यों तरसे।

• पर्यावरण प्रेरणा •

पौधारोपण, वृक्ष रक्षण, जल-ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण नियन्त्रण, सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त भारत व स्वच्छता के निमित राष्ट्रीय संस्था

(आयकर अधिनियम की धारा 80-जी अधीन छूट प्राप्त)

पर्यावरण एवं जल-ऊर्जा संरक्षण

थैली छोड़ो
थैला पकड़ो
अभियान

पर्यावरण-प्रेरणा

मुख्यालय: जी-114 फेज 1, अशोक विहार, दिल्ली-110052

प्रशा. कार्यालय: 20 आरएसडी कलोनी, सिरसा 125055 (हरियाणा)

मो. 9416049757 फोन 01666-221757

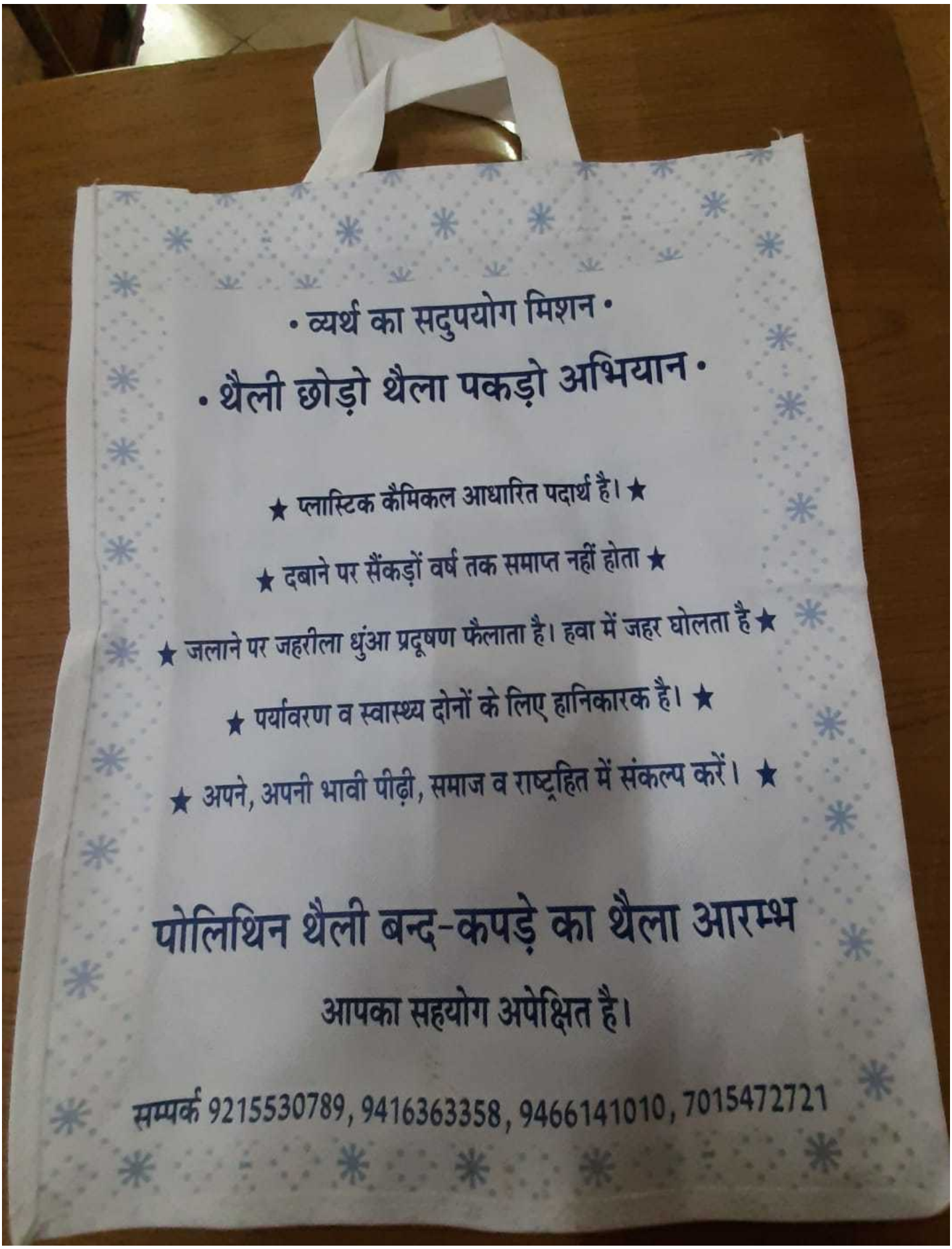
• व्यर्थ का सदुपयोग मिशन •
• थैली छोड़ो थैला पकड़ो अभियान •
★ प्लास्टिक कैमिकल आधारित पदार्थ है। ★
★ दबाने पर सैंकड़ों वर्ष तक समाप्त नहीं होता ★
★ जलाने पर जहरीला धुंआ प्रदूषण फैलाता है। हवा में जहर घोलता है ★
★ पर्यावरण व स्वास्थ्य दोनों के लिए हानिकारक है। ★
★ अपने, अपनी भावी पीढ़ी, समाज व राष्ट्रहित में संकल्प करें। ★
पोलिथिन थैली बन्द-कपड़े का थैला आरम्भ
आपका सहयोग अपेक्षित है।
सम्पर्क 9215530789, 9416363358, 9466141010, 7015472721

सड़क के लिए कटने हैं 2000 पेड़; लोग लगा रहे शिवजी के पोस्टर

भास्कर न्यूज | रायपुर

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में पेड़ों को बचाने के लिए पर्यावरण प्रेमियों ने अनोखी मुहिम छेड़ी है। जिले के तरौद दैहान प्रोजक्ट के तहत 8 किमी की सड़क बनाने के लिए 2 हजार पेड़ काटे जाने हैं। इसे बचाने के लिए अब लोगों ने पेड़ों पर भगवान शिव के फोटो चिपकाने शुरू कर दिए हैं। इससे पहले लोगों ने विरोध में 'चिपको आंदोलन' शुरू किया था। लोगों का कहना है, 'पेड़ों में ईश्वर का वास है। उनसे हमें जीने के लिए प्राणवायु मिलती है। इसीलिए भगवान शंकर की फोटो चिपकाने का काम शुरू किया गया है।

बक्सवाहा जंगल बचाने के लिए पर्यावरण प्रेरणा शाखा ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

सिरसा | राष्ट्रीय संस्था पर्यावरण प्रेरणा की सिरसा शाखा के तत्वावधान में बक्सवाहा जंगल बचाने के लिए जगदेव चौक पर संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष जल स्टार रमेश गोयल के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया और बक्सवाहा जंगल न काटने की मांग की गई। गोयल ने कहा कि पेड़/ ऑक्सीजन जरूरी या हीरा। वास्तव में मध्य प्रदेश के छतरपुर इलाके में बक्सवाहा जंगल के नीचे दबे लगभग 50000 करोड़ के हीरा उत्खनन के लिए लगभग ढाई लाख पेड़ों को काटे जाने हैं। बक्सवाहा की जमीन के नीचे छिपे बहुमूल्य हीरों को प्राप्त करने के लिए राज्य सरकार ने एक निजी कंपनी को बक्सवाहा के जंगल 50 साल के लिए लीज पर दे दिए हैं, क्योंकि इस जमीन के नीचे छुपे

बक्सवाहा जंगल बचाने को प्रदर्शन करते पर्यावरण प्रेरणा शाखा के सदस्य।

हैं पन्ना से 15 गुना ज्यादा हीरे और इन्हीं हीरो को पाने के लिए 382.131 हेक्टेयर के जंगल का कत्ल किया जाएगा, जिसके लिए मध्यप्रदेश सरकार ने स्वीकृति दे दी है। लोगों ने सरकार के विरुद्ध आंदोलन आरम्भ कर दिया है। प्रकृति व पर्यावरण के विपरीत विकास के नाम पर किए जा रहे विनाश व काटे जा रहे अनंत वृक्षों के कारण ही "कोरोना" जैसी महामारी का प्रादुर्भाव हुआ है। सड़कों का जाल बिछाने, मार्गों को चौड़ा करने, नए उद्योग स्थापित करने, नई कलोनियां या शहर विकसित करने आदि के नाम पर प्रति वर्ष एक एक प्रांत में लाखों वृक्षों का कत्ल किया जा रहा है। उन्होंने जनमानस से अपील की कि बक्सवाहा जंगल व इस प्रकार काटे जाने वाले अन्य वृक्षों को बचाने का प्रयास करें।

प्रोजेक्ट • प्रशिक्षण केंद्र होगा स्थापित, लोग व विद्यार्थी पर्यावरण व जल संरक्षण की ले सकेंगे प्रेरणा, ड्राइंग बनकर तैयार

2 करोड़ की लागत से 2450 वर्ग गज में बनेगा पर्यावरण भवन मेडिकल डिस्पेंसरी, व्यर्थ सामान के सदुपयोग के लगेंगे मॉडल

भास्कर न्यूज | सिरसा

पौधरोपण व वृक्ष रक्षण, जल-ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण की रोकथाम, सिंगल यूज पॉलिथीन मुक्त भारत व स्वच्छता के निमित्त राष्ट्रीय संस्था पर्यावरण प्रेरणा के तत्वावधान में जिला पर्यावरण भवन बनाया जाएगा। पर्यावरण भवन पर डेढ़ से 2 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

यह भवन कंगनपुर रोड पर 2450 वर्गगज भूमि पर बनेगा। वहीं प्रशिक्षण केन्द्र भी स्थापित होगा। वर्षा जल संग्रहण सिस्टम, क्षेत्र के लोगों के स्वास्थ्य के लिए मेडिकल डिस्पेंसरी, फिजियोथैरेपी सेंटर बनाया जाएगा।

स्वरोजगार यूनिट बनेगी, लॉकडाउन खुलने के बाद होगा शिलान्यास

जल स्टार रमेश गोयल ने बताया कि पर्यावरण भवन बनने से यहां चलने वाले प्रोजेक्ट से महिला व पुरूषों को रोजगार मिलेगा । वहीं यहां पर मिलने वाले प्रशिक्षण व्यर्थ का सदुपयोग से बहुत बडा उद्योग के द्वारा अनेक लोगों द्वारा स्वरोजगार यूनिट स्थापित किए जा सकेंगे। जिससे उनकी आर्थिक सम्पन्नता के साथ-साथ क्षेत्र के पर्यावरण को बहुत लाभ मिलेगा। संस्थान द्वारा चिकित्सा डिस्पेंसरी व फिजियोथैरेपी केन्द्र के माध्यम से निशुल्क या न्यूनतम शुल्क पर उपचार किया जाएगा। जिससे क्षेत्र के वंचित व असहाय परिवारों को बहुत लाभ मिलेगा। लॉकडाउन खुलने के बाद पर्यावरण भवन का शिलान्यास व निर्माण कार्य शुरू होगा।

साल 2007-08 में बनी थी पर्यावरण प्रेरणा संस्था

जल स्टार रमेश गोयल की ओर से पर्यावरण प्रेरणा संस्था का शुभारम्भ 2007-08 में किया गया। 2016-17 में इसे राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया गया। देश के 9 प्रान्तों में संस्था की शाखाएं व प्रान्तीय इकाइयां कार्यरत हैं, जिनमें महाराष्ट्र प्रान्त सर्वश्रेष्ठ है। पर्यावरण प्रेरणा न केवल आयकर अधिनियम अधीन पंजीकृत है बल्कि आयकर की धारा 80जी अधीन छूट प्राप्त भी है । संस्था के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश गोयल ने बताया कि उनका एक जीवित सपना था कि इतना बड़ा संस्थान पर्यावरण व स्वास्थ्य के निमित बने जिसे देखकर समाज के लोग व विद्यार्थी पर्यावरण व जल संरक्षण की प्रेरणा ले सकें।

थैली छोड़ो, थैला पकड़ो अभियान शुरू, 500 बन चुके थैले

संस्था की ओर से व्यर्थ का सदुपयोग मिशन व सिंगल यूज प्लास्टिक प्रयोग रोकने के अधीन थैली छोड़ो थैला पकड़ो अभियान शुरू किया गया है। जिसका शुभारंभ विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून डीसी अनीश यादव ने किया। अभियान के तहत अब तक 500 थैले बन चुके हैं, जो इसी माह बाजारों में बांटे जाएंगे। पॉलिथीन थैलियों का प्रयोग नहीं करने बारे भी जागरूक किया जाएगा। ब्लाक, उपमंडल व जिला स्तर तक अभियान छेड़ा जाएगा। पॉलिथीन पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों के लिए बहुत हानिकारक है। संस्था द्वारा जो थैला दिया जाएगा उसे अपने परिवार व समाज के हित में अवश्य प्रयोग करेंगे।

'जे.सी.डी. मैमोरियल कॉलेज की एन.एस.एस. एवं यूथ रैडक्रास यूनिट ने मनाया विश्व जल दिवस'

सिरसा, 22 मार्च(कौशिक): जेसीडी विद्यापीठ में स्थापित मैमोरियल कॉलेज की एन.एस.एस यूनिट एवं यूथ रैडक्रॉस सोसायटी द्वारा विश्व जल दिवस के अवसर पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन करवाया गया, जिसमें जेसीडी विद्यापीठ की प्रबंध निदेशक डा. शमीम शर्मा तथा जल स्टार रमेश गोयल ने बतौर मुख्यातिथि उपस्थित होकर विद्यार्थियों तथा उपस्थित जन को जल के महत्व तथा उसके उसके उपयोग की विस्तारपूर्वक व्याख्या दी।

इस अवसर पर जे.सी.डी. विद्यापीठ के विभिन्न कॉलेजों के प्राचार्य भी उपस्थित रहे। इस मौके पर कॉलेज प्राचार्या डा. शिखा गोयल व डा. जयप्रकाश द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई। इस कार्यक्रम में जल स्टार एडवोकेट रमेश गोयल ने बताया कि विश्व के कई देशों में पेय जल की खरीद पर लोग अपनी आमदनी का 15 से 50 प्रतिशत तक खर्च कर देते हैं लेकिन हमारे भारत मे लोगों को पानी आसानी से मिल रहा है जिसके कारण उन्हें पानी का मोल नहीं पता है पर उन्हें यह समझना होगा कि भारत के अनेक हिस्सों में पानी अपने सामान्य स्तर से काफी नीचे जा चुका है इसलिए हमें पानी

विश्व जल दिवस पर कार्यक्रम दौरान संबोधित करते वक्ता।

को अधिक से अधिक बचना होगा और वर्षा जल संग्रहित कर उसका निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि हम अपने दैनिक जीवन में प्रयोग होने वाले पानी का अगर सही अनुपात में इस्तेमाल करें और पानी की एक बूंद भी नष्ट ना होने दें तो हम सभी जल बचाओ अभियान में अपनी सशक्त भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा के केवल हमारा शरीर ही नहीं बल्कि हमारी पृथ्वी भी दो-तिहाई जल पर आधारित है। जल, वायु और भोजन हमारे जीवन रुपी इंजन के इंधन है अगर इनमें से एक भी पृथ्वी पर न बचा तो जीवन संकट में पड़ जाएगा इसलिए 'जल ही जीवन है यूं ही नहीं कहा जाता है। इस अवसर पर उपस्थितजनों को अपने संबोधन में प्रबंध निदेशक डा. शमीम शर्मा ने कहा पानी को बेकार बहाना किसी पाप से कम नहीं है क्योंकि अगर पानी नही बचा तो हम आने वाले जीवन की उत्पत्ति पर ही रोक लगा देंगे जिसका दोष हर एक उस व्यक्ति को जाएगा जिसने पानी को बेपरवाह होकर बेकार में बहाया है।

उन्होंने कहा पानी हमारी जरूरत है इसलिए इसका उपयोग भी सिर्फ हमारी जरूरत के अनुसार ही होना चाहिए। उन्होंने कहा पानी तो ईश्वर के चरणों का अमृत है और अमृत की एक-एक बूंद अनमोल है। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ शिखा गोयल ने सभी उपस्थित जन का स्वागत करते हुए सभी विश्व जल दिवस की बधाई दी और कहा के ये हमारा नैतिक कर्तव्य है के हम सभी अपने प्राकृतिक संसाधनों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण स्थापित कर उनको संरक्षित करे।उन्होंने कहा के पानी के बिना हम अपने दैनिक जीवन का नेतृत्व नहीं कर सकते इसलिए पानी को हमें बचना होगा। अंत मे सभी गणमान्यजन ने विद्यार्थियों को यह

संकल्प दिलवाया की हम जल का संरक्षण करेंगे और पानी के महत्व को समझते हुए जन-जन को समझाएंगे।

जल बिना जीवन नहीं
यदि पानी बर्बाद करना बन्द नहीं
किया तो पीने का पानी जल्दी ही
सैंकड़ों रूपये लीटर मिलने लगेगा।
हम सब मिल संकल्प करेंगे।
पानी कभी न नष्ट करेंगे।।
जल की सोचें, कल की सोचें
जीवन के पल-पल की सोचें
जल स्टार रमेश गोयल, वाटर हीरो अवार्डी
छोड़ो प्लास्टिक थैली हम सबने अब ठानी। अपना लो कपड़े की कोई थैली नई पुरानी।
पर्यावरण प्रेरणा
हम सबका एक
ही नारा
साफ सुथरा हो
नगर हमारा
प्लास्टिक बैग को ना कहें।
सुरक्षित भविष्य को हां कहें।
प्लास्टिक की नहीं कोई शान मिटा दो उसका नामो निशान
प्लास्टिक हटाओ
दुनिया बचाओ
Single-Use Plastic
BALENO

पर्यावरण परिवर्तन मानव जनित समस्या है : गोयल

पल पल न्यूज: सिरसा, 24 फरवरी। प्रदूषण, तापमान, जलवायु परिवर्तन पर चिन्तन व चिंता व्यक्त करते हुए प्रतिष्ठित पर्यावरणविद व जल स्टार रमेश गोयल ने कहा कि 10-11 फरवरी 2021 को अमेरिका में आए बर्फीले तूफान के कारण पानी की पाइपों में बर्फ जम गई जिससे अनेक स्थानों पर वे फट गई। परिणाम स्वरूप अमेरिका के टैक्सास की आधी अबादी लगभग 1.4 करोड़ लोगों को पीने के पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। अनेक लोग बर्फ उबालकर पी रहे हैं परन्तु विशेषज्ञों के अनुसार वह स्वास्थय के लिए हानिकारक है। विद्युत सप्लाई बाधित होने के कारण समस्या और बढ़ी है। उन्होंने कहा कि कहीं बाढ़, कहीं तूफान, कहीं बर्फबारी, कहीं अति वर्षा व कहीं बहुत कम वर्षा आदि विकास के नाम पर मानव जनित समस्यायें हैं। पहाड़ों में विस्फोट करना, जंगल काटकर कंक्रीट के विशाल भवन बनाना, प्रदूषण बढ़ाने वाले उद्योगों को बढावा देना आदि अनेक कार्य सभ्यता, सुविधा व विकसित दिखने के लिए किए जा रहे हैं और भावी पीढी के लिए विष बेल की तरह बढ़ रहे खतरे को जान बुझकर नजर अन्दाज किया जा रहा है। गोयल ने फरवरी 2021 के आरम्भ में ही जलवायु परिवर्तन के कारण आस्ट्रेलिया में हुई त्रासदी की चर्चा के साथ भारत के उत्तराखंड की तपोवन घाटी जैसी घटनाओं की पुनरावृति रोकने की आवश्यकता पर बल देते हुए सभी सरकारों से इस पर चिन्तन व अमल करने की अपील की।

पर्यावरण प्रेरणा के संस्थापक ने किया निर्णय का स्वागत

सिरसा | सड़क बनाने के लिए पेड़ काटने की जरूरत पर उच्चतम न्यायालय के निर्णय का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय संस्था पर्यावरण प्रेरणा के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय पूर्व मंत्री पर्यावरण रमेश गोयल ने कहा कि उन्होंने भी हरियाणा सरकार को लिखा था कि सड़क बनाते हुए पेड़ काटने की बजाय उस लाइन को डिवाइडर के रूप में लिया जाये तो पुराने वृक्ष कटने से बच जायंगे। उच्चतम न्यायालय ने मथुरा (उतरप्रदेश) के कृष्ण-गोवर्धन रोड प्रोजेक्ट के लिए 3 हजार पेड़ काटने की सरकार की योजना पर संज्ञान लेते हुए कहा है कि सड़क को सीधा बनाने की क्या आवश्यकता है। जहां पेड़ आएं वहां से घूमाकर सड़क बनाएं। इससे वाहनों की गति धीमी होगी और दुर्घटनाएं भी कम होगी। मुख्य न्यायधीश एसए बोवेड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने देश में बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं पर चर्चा करते हुए तेज गति से चलते हुए वाहनों का कारण भी सीधी सड़क को माना है। मुख्य न्यायधीश ने सरकार से पूछा है कि 90-100 वर्ष पुराने वृक्ष को काटे जाने की पूर्ति किसी भी दशा में नए वृक्ष लगाकर नहीं की जा सकती। गोयल ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे पुराने वृक्ष काटने पर रोक लगाने के साथ साथ पर्यावरण को होने वाली हानि से बचा जा सकेगा और सरकारों व प्रशासन की मनमानी पर अंकुश लगेगा।

जल का संरक्षण सबकी सामूहिक जिम्मेवारी, भूजल स्तर बढ़ाने के लिए लगाएं वाटर रिचार्जर: उपायुक्त

जल को व्यर्थ न बहाएं इसका संदुपयोग करें और दूसरों को भी प्रेरित करें, डीसी ने की जल संरक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा

भास्कर न्यूज | सिरसा

डीसी रमेश चंद्र बिढ़ान ने कहा कि जल संरक्षण को लेकर प्रदेश सरकार गंभीर है। मुख्यमंत्री स्वयं जल बचाओ अभियान की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। इसलिए अधिकारी जल संरक्षण की दिशा में चलाई जा रही गतिविधियों व कार्यों को प्राथमिकता के आधार पूरा करें। बिढ़ान अपने कैंप कार्यालय कक्ष में जल संरक्षण को लेकर आयोजित विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

सिरसा जल संरक्षण को लेकर अधिकारियों की बैठक लेते डीसी ।

बैठक में नगराधीश कुलभूषण बंसल, कार्यकारी अभियंता जनस्वास्थ्य विभाग आरएस मलिक, कार्यकारी अभियंता पंचायती राज भरत सिंह, जिला सलाहकार राकेश सोगलान, पर्यावरणविद् रमेश गोयल मौजूद थे। बैठक में डीसी ने अधिकारियों से जल संरक्षण बारे सुझाव भी लिये और इस दिशा में ठोस कदम उठाने के भी निर्देश दिए।

ग्राउंड वाटर लेवल बढ़ाने के प्रयास करे विभाग

डीसी ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार जल संरक्षण को लेकर काफी गंभीर है। जल संरक्षण को लेकर सरकार द्वारा जल शक्ति अभियान भी चलाया जा रहा है और इस अभियान के तहत भूजल स्तर सुधार व वर्षा जल संचय को लेकर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग ग्राउंड वाटर लेवल को बढ़ाने के लिए प्रयास करें। उन्होंने वन विभाग को निर्देश दिये कि अब बरसाती मौसम शुरु हो गया है, वे दिए गए लक्ष्य के अनुरुप जिला में पौधारोपण करें। बैठक में जल संरक्षण और वर्षा जल संचय, पारंपरिक और अन्य जल निकायों तथा टैंकों का नवीकरण, ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के तालाबों का जीर्णोद्धार/ गहरीकरण/डिसिल्टिंग का कार्य, सार्वजनिक निर्माण और निजी भवन पर छत के शीर्ष जल संचयन, माइक्रो इरिगेशन आदि विषयों पर चर्चा की गई।

आवश्यकता अनुसार ही पानी का उपयोग करें

डीसी ने आमजन अपील करते हुए कहा है कि कभी भी नल को खुला न छोड़ें, जब पानी की आवश्यकता न हो तो नल को बंद अवश्य कर दें। यह हम सभी का दायित्व बनता है कि पानी की नलों को खुला न छोड़े, आवश्यकता अनुसार ही पानी का उपयोग करें। जल संरक्षण करना सबकी सामूहिक जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि पानी को व्यर्थ न बहनें दें और दूसरो को भी इसके लिए प्रेरित करें। भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वाटर रिचार्जर लगाएं व सिंचाई के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप तकनीक) का प्रयोग करें।

प्लास्टिक पर्यावरण व स्वास्थय के लिए हानिकारक है - पर्यावरण प्रेरणा

पर्यावरण रक्षण व जन जागरूकता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था पर्यावरण प्रेरणा के तत्वावधान में एच ब्लाक अशोक विहार दिल्ली के प्रतिभा विद्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता प्राचार्या विनीता बजाज ने की व संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेश गोयल मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर जल स्टार श्री गोयल ने विद्यार्थीयों को जल की महता सहित जल बर्बादी के कारणों व बचत के उपायों के विषय में जानकारी दी। स्वच्छता के लिए खुल्ले में कूड़ा कचरा न

डालने का संकल्प कराया और प्लास्टिक से पर्यावरण व स्वास्थय को होने वाली हानियों पर विस्तृत चर्चा की तथा प्लास्टिक उत्पादन विशेषकर प्लास्टिक थैली व खाओ पियो और फैंको वाला सामान यानि डिस्पोजेबल सामान प्रयोग न करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होने विद्यार्थीयों को इन बातों पर अपने घर मे चर्चा करने का आहवान किया ताकि जागरूकता और बढ़े। प्राचार्या विनीता बजाज ने श्री गोयल का अभिनन्दन किया और शिक्षक विपिन ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के नन्हें मुन्नों द्वारा प्लास्टिक प्रयोग के विरूद्ध माडलिंग के साथ एक गीत भी प्रस्तुत किया गया जो जागरुकता के लिए बहुत ही सराहनीय प्रयास था ।

पर्यावरण सप्ताह में हर व्यक्ति लगाए एक-एक पौधा : गोयल

पल पल न्यूज: सिरसा, 1 जून। कोरोना महामारी से बचाव निमित पूरी दुनिया में लाकडाउन चल रहा है और भारत में भी 25 मार्च से निरन्तर लाकडाउन है और अभी जून में भी छूट के साथ अनलॉक नाम से चलता रहेगा। दो मास से अधिक समय से घरों में बन्द जनता को सरकार ने बाहर निकलने की सशर्त छूट दी है परन्तु नौतपा (सर्वाधिक गर्म 9 दिन जब सूर्य पृथ्वी के अधिकतम पास होता है और तापमान शीर्ष पर) के कारण तापमान बढ़ता जा रहा था। पारा पाकिस्तान के जकोबाबाद, भारत के चुरु में 50 डिग्री सैल्सियस पार कर चुका है और बीकानेर (राजस्थान) दिल्ली, अकोला (महाराष्ट्र) में 25 मई 2020 को पारा 47 डिग्री पार कर चुका तथा अभी कई अन्य शहरों में भी तापमान बढ़ने का रेड अलर्ट जारी किया हुआ था यानि घर से (कम से कम 12 बजे से 5 बजे तक) बाहर न निकलें। 40 डिग्री से ऊपर अनेक क्षेत्र हैं)। दुनिया में अब तक सर्वाधिक तापमान 10 जुलाई 1913 को कैलिफोर्निया (अमेरिका) में 56.7 डिग्री, 7 जुलाई 1931 को कबीली (टयूनिशिया) 55 डिग्री व 31 जुलाई 2012 का सुलेब्या (कुवैत) में 53.6 डिग्री नोट किया गया है। इतना तापमान मानव जाति के लिए ही घातक

नहीं है बल्कि इससे अरबों की संख्या में जीव-जन्तु, पशु-पक्षी मर चुके हैं और मर रहे हैं। इस पर चिन्ता व्यक्त करते हुए पर्यावरणविद् व जल स्टार रमेश गोयल ने कहा कि विकास व आधुनिकता के नाम पर काटे जा रहे जगंलों तथा निरन्तर तापमान बढ़ा रहे उद्योग, परमाणु ऊर्जा आदि इसके लिए उत्तरदायी हैं। दिसम्बर 2015 में फ्रांस में आयोजित विश्व स्तरीय सम्मेलन में निर्णय किया गया था कि तापमान कम करने के लिए सौर ऊर्जा का अधिकतम प्रयोग करेंगे तथा अन्य ऊर्जा उत्सर्जन उपकरण कम करेंगे परन्तु कोई भी राष्ट्र विशेषकर विकसित राष्ट्र इसे गम्भीरता से नहीं ले रहे हैं जिसके कारण स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है। गोयल ने जनता से आग्रह किया है कि यद्यपि मौसम परिवर्तन से कुछ सुखद अनुभूति हुई है फिर भी पुनः बढ़ने वाली इस भीषण गर्मी में अपना बचाव स्वयं रखें। बिना अति आवश्यक कार्य दोपहर के समय घरों से बाहर न नकलें। पानी, लस्सी, निम्बु, ठण्डे पेय व फलों का अधिक प्रयोग करें और सुरक्षित रहें। 5 जून विश्व पार्यावरण दिवस तथा जुलाई का प्रथम सप्ताह राष्ट्रीय पार्यावरण सप्ताह है इस अवधि में हर व्यक्ति किसी विद्यालय, महाविद्यालय, पार्क आदि में एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी कम से कम छह मास देखभाल भी करें। उन्होंने कहा है कि बार बार हाथ धोने की बजाय आवश्यकतानुसार ही हाथ धोयें तथा पानी की कमी को ध्यान मे रखते हुए पानी बर्बाद न करें। उन्होंने केन्द्र व राज्य सरकारों से भी आग्रह किया है कि पौधारोपण की वन विभाग द्वारा की जाने वाली औपचारिकताओं पर लगाम लगायें और आंकड़ों की बजाय वास्तविकता की ओर ध्यान दें तथा वृक्षों को काटने की बजाय सड़कों के डिवाईडर में उन्हें सुरक्षित करें। नई तकनीक अनुसार उन्हें उखाड़ कर नए स्थान पर रोपित करें।

रामेश्वरम् के विद्यार्थीयों को बताई जल की महता

सिरसा। भारत विकास परिषद् के राष्ट्रीय पर्यावरण संयोजक व केन्द्रीय भूजल बोर्ड के जिला सलाहकार सदस्य रमेश गोयल एडवोकेट ने 11 सितम्बर 2013 को केन्द्रीय विद्यालय, रामेश्वरम् (तामिलनाडू) में विद्यार्थीयों को जल की महता, कमी के कारण, बचत की आवश्यकता व उपाय बताते हुए कहा कि समुद्र के बीच रहकर भी पीने के पानी की समस्या को समझना अधिक आवश्यक है क्योंकि समुद्र का पानी खारा है जिससे नमक बनाया जा सकता है परन्तु प्यास नहीं बुझाई जा सकती। छोटे छोटे उदाहरणों के साथ उन्होंने बताया कि हम कैसे अपने दैनिक जीवन में पानी बर्बाद करते हैं और उसे कैसे बचाया जा सकता है तथा इसकी आवश्यकता क्यों है। विद्यालय प्रांगण में जल बचत सम्बन्धी गोयल द्वारा तैयार बैनर लगाया गया तथा विद्यार्थीयों को जल विद्युत बचत विज्ञप्तियां भी वितरित की गई। विद्यालय पुस्तकालय के लिए 'बिन पानी सब सून' पुस्तक तथा जल चालीसा की प्रतियां भी दी। विद्यालय प्राचार्या श्रीमती ए..शशी ने गोयल का आभार जताया कि हिन्दी पखवाड़े में हिन्दी में सामाजिक विषय पर उत्तर भारत से आकर विद्यार्थियों को प्रेरित किया। गोयल ने होली आइसलैंड लिटल फ्लावर मैट्रीकुलेशन स्कूल, रामेश्वरम् में भी विद्यार्थीयों को (अंग्रेजी में) जल बचत सम्बन्धी जानकारी दी।

सिरसा। जीडी गोयनका स्कूल में जल संरक्षण पर आधारित कार्यशाला को संबोधित करते मुख्यातिथि रमेश।

पृथ्वी पर 71 फीसदी जल होने के बाद भी पेयजल के लिए तरस रहे लोग: गोयल

जीडी गोयनका स्कूल में विद्यार्थियों को जल बचाने के लिए किया प्रेरित

भास्कर न्यूज | सिरसा.

जीडी गोयनका स्कूल में विद्यार्थियों को जल की महत्ता, कमी के कारणों, बचत की आवश्यकता के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से रविवार को जल संरक्षण पर आधारित कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय सेवा समिति सदस्य रमेश गोयल मुख्य अतिथि थे। संस्थान के चेयरमैन मुरारीलाल बंसल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विद्यालय प्राचार्या डॉ. पूनम मोंगा ने संस्था के एमडी डॉ. सुरेंद्र गोयल, भाविप पर्यावरण संयोजक सुशील गुप्ता सहित सबका अभिवादन किया।

मुख्यातिथि गोयल ने विद्यार्थियों से कहा कि 71 फीसदी पानी धरातल पर होते हुए भी जल की कमी बनी हुई है। उन्होंने विद्यार्थियों को पानी बर्बादी के विषय में बताते हुए उपायों के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें जल बर्बाद न करने ओर बचाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जल नहीं तो कल नहीं, जल बचेगा जीवन बचेगा जैसे न के अर्थ को समझाते हुए उन्हें जी का अंग बनाने के लिए प्रोत्सा किया। गोयल ने कहा कि जल ब से पानी की कमी में सुधार तो ही बिजली व धन कैसे बचेगा विकास के कार्य कैसे अधिक की सुंदर व्याख्या की और व भावी पीढ़ी के लिए जल की अनिवार्यता पर प्रकाश प्राचार्या डॉ. पूनम मोंगा ने व विद्यार्थियों को इन सब ब अनुसरण करने के लिए प्रेरि

यह धतरी स्व धर्म वीर लोहिया की पुण्य स्मृति में उनके परिवार द्वारा
श्री सेवा समिति, सिरसा को प्रदत्त।
YOUNG INDIA ORGANIZATION SIRSA
पौधारोपण अभियान
एक कदम प्रकृति की ओर
Narinder Dhingra
Patron
92155-30789
Mohit Soni
Chairman
97292-11136
''आओ मिलकर पेड़ लगाएं
पर्यावरण को स्वच्छ बनाएं''
Sandeep Chalana
General Secretary
94167-55883
Harsh Marodia
Treasurer
98123-33455
पर्यावरण प्रेरणा
जल स्टार रमेश गोयल
राष्ट्रीय अध्यक्ष
M. 94160-49757
(पौधारोपण एवं वृक्ष बचाने, जल ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण व स्वच्छता को

PO Regn No. : SSP/LW/NP-326/2016-18

Published from Lucknow

A First-Of-Its-Kind Magazine On Environment Which Is For Nature, Of Nature, By Us

TreeTake

Price : Rs 40/-

RNI Regn No.
UPBIL/2016/66220

Year - 5 ; Volume -5

June 15, 2020

Wildlife: On Last Priority?

New Draft EIA may lead to environmental exploitation

विश्व पर्यावरण दिवस पर 'नगर वन' कांसेप्ट पर जोर

Impact of online shopping on environment

Exercising your pet amid COVID-19 scare

कुंदरू के हैं अनेक अनसुने फायदे

कोरोना, प्रकृति और रामायण

जल सरंक्षण के प्रति प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होने की जरुरत-रमेश गोयल

कर्मदाता न्यूज नेटवर्क

सिरसा (गुरनैब दंदीवाल)। प्रधान मन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी की ''मन की बात'' का अभिनन्दन करते हुए जल स्टार रमेश गोयल ने कहा कि पानी की कमी विश्वव्यापी समस्या बनी हुई है और भारत में यह तीव्र गति से आगे बढ़ रही है जिस पर 30 जून को ''मन की बात'' में चिन्ता व्यक्त करते हुए आदरणीय प्रधानमन्त्री ने जनता से न केवल प्रतिदिन जल बर्बाद न करने की अपील की है बल्कि वर्षाजल संग्रहण पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया है। जल स्टार के नाम से देश भर में विख्यात श्री गोयल, जो विगत 11 वर्षों से जल संरक्षण अभियान चला रहे हैं और प्रत्यक्ष सम्बोधन तथा रेडियों, टी वी,अखबार आदि के माध्यम से लगभग एक करोड़ लोगों को जल संरक्षण सन्देश दे चुके हैं, ने जनता से इस अभियान में भागीदार बनकर इसे जन आन्दोलन बनाने में सहयोग करने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि श्री गोयल जल संरक्षण पर निरन्तर प्रयासरत हैं और जल बचत से स्वत: होने वाले बिजली बचत, धन बचत व विकास के बारे में भी प्रकाश डालते हुए प्रदूषण की रोकथाम, वृक्ष बचाने, स्वच्छता के लिए छोटे छोटे उदाहरणों से समझाते हुए जल संरक्षण हेतु प्रोत्साहित करते रहते हैं।मिशन भाव से कार्यरत श्री गोयल द्वारा रचित 'जल चालीसा', जो जल संरक्षण का पूर्ण सन्देश है और राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कर चुकी है, की दिसम्बर 2018 तक 55000 प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं और लगभग 10 लाख लोगों को सोशल मिडिया के माध्यम से पहुंचाई जा चुकी है। अनेक समाचार पत्र व पत्रिकाओं ने भी जल चालीसा प्रकाशित की है। जल चालीसा के विडियो का विमोचन उड़ीसा के राज्यपाल श्री गणेशी लाल ने किया था। साढ़े तीन लाख विज्ञप्तियां विद्यार्थियों व संस्थाओं के माध्यम से परिवारों मे पहुंचा चुके हैं । उल्लेखनीय है कि श्री गोयल समर्पित भाव से जल संरक्षण में लगे हैं।

YOUNG INDIA ORGANIZATION SIRSA

पौधारोपण अभियान

एक कदम प्रकृति की ओर

Narinder Dhingra
Patron
92155-30789

Mohit Soni
Chairman
97292-11136

''आओ मिलकर पेड़ लगाएं
पर्यावरण को स्वच्छ बनाएं''

Sandeep Chalana
General Secretary
94167-55883

Harsh Marodia
Treasurer
98123-33455

पर्यावरण प्रेरणा

(पौधारोपण एवं वृक्ष बचाने, जल ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था)

जल स्टार रमेश गोयल
राष्ट्रीय अध्यक्ष

Email : paryavaranprorana@gmail.com
rameshgoyalsrs@gmail.com
web : www.paryavaranprerana.com

M. 94160-49757

हरे भरे हम
पेड़ लगाएं
उमड़ घुमड़
घन बरखा लाएं

पर्यावरण प्रेरणा 94160-49757

पर्यावरण प्रेरणा 94160-49757

जन जन हमें जगाना होगा

जल सब तरह बचाना होगा

पर्यावरण प्रेरणा 94160-49757

खुल्ले में कूड़ा
नहीं डालेंगे
नहीं डालेंगे
पर्यावरण प्रेरणा 94160-49757

हम सब मिल
संकल्प करेंगे
पानी कभी न
नष्ट करेंगे
पर्यावरण प्रेरणा 94160-49757

धन संचय तो करते हैं सब जल संचय भी हम करलें अब

पर्यावरण प्रेरणा 94160-49757

पाईप से हम
फर्श न धोएं
गाड़ी पर हम
जल ना खोएं

पर्यावरण प्रेरणा 94160-49757

जल नहीं तो

कल नहीं

पर्यावरण प्रेरणा 94160-49757

वर्षा जल
एकत्र करेंगे
इसी बात का
ध्यान धरेंगे

पर्यावरण प्रेरणा 94160-49757

पर्यावरण प्रेरणा 94160-49757

वृक्ष बचेंगे तभी जिएंगे

पर्यावरण प्रेरणा 94160-49757

जल बचेगा
जीवन बचेगा

पर्यावरण प्रेरणा 94160-49757

जल है तो कल है...

आओं पानी बचाएं

पानी है कुदरत का
अनमोल उपहार
इसे व्यर्थ ना बहाएं।

रमेश गोयल
94160-49757

www.savewatersavelife.com email: rameshgoyalsrs@gmail.com

वृक्ष करते हमारी रक्षा

उनकी रक्षा है जिम्मेवारी

पर्यावरण प्रेरणा 94160-49757

दिवाळीचा आनंद मिठाई, भेटवस्तू, खेळणी, आवडीची पुस्तके, सीडी घेऊन, आरास व किल्ले बनवून साजरा करणार की, सभोवतालच्या वातावरणात प्रदूषण वाढवून ! बदलाची सुरुवात स्वत: पासूनच करु या. अंगी वैज्ञानिक दृष्टिकोन बाळगू या, पृथ्वीच्या तापमानातील वाढ थांबवू या, इको-फ्रेंडली दिवाळी साजरी करु या.

महाराष्ट्र अंधश्रध्दा निर्मूलन समिती

प्रदूषण रहित दीपावली मनाएं-पर्यावरण बचाएं--जल स्टार रमेश गोयल

बड़ागुढ़ा(दंदीवाल) पर्यावरणविध एंव जल स्टार रमेश गोयल का कहना है कि दीपों का त्यौहार दीपावली एक ज्योति पर्व है। खुशियों के इस त्यौहार पर हम पर्यावरण का ध्यान रखें और प्रदूषण रहित दीपावली मनाएं। पटाखा ध्वनि व वायू प्रदूषण फैलाता है।पटाखों से उत्पन तीव्र ध्वनि व फैलने वाले प्रदूषण के कारण देश भर में लाखों पक्षी अकाल मृत्यु का शिकार हो जाते हैं। अनेक लोग विशेषकर बच्चे व वृद्ध बहरे हो जाते हैं या ऊंचा सुनने लगते हैं। पटाखा चलाने से प्राप्त क्षणिक खुशी कई बार जीवन भर के गम का कारण बन जाती है। पटाखों से भीषण अग्निकांड हो जाते हैं जिससे करोड़ों अरबों रूपये की सम्पति जलकर स्वाहा हो जाती है और कई जानें चली जाती हैं। कई लोग जीवन भर के लिए अपाहिज हो जाते हैं तथा कई परिवार अनाथ हो जाते हैं अथवा अनेक परिवार बाल विहिन हो जाते हैं।पटाखा पर्यावरण के बड़े शत्रुओं में से एक है।गोयल ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि आओ हम सब मिलकर प्रदूषण रहित दीपावली मनाने का संकल्प करें।

के खिलाफ भी कड़ी कारवाई की जाएगी।

प्रदूषण रहित दीपावली मनाएं-पर्यावरण बचाएं

सिरसा / जन गौरव। पर्यावरणविध एंव जल स्टार रमेश गोयल का कहना है कि दीपों का त्यौहार दीपावली एक ज्योति पर्व है। खुशियों के इस त्यौहार पर हम पर्यावरण का ध्यान रखें और प्रदूषण रहित दीपावली मनाएं। पटाखा ध्वनि व वायू प्रदूषण फैलाता है।पटाखों से उत्पन तीव्र ध्वनि व फैलने वाले प्रदूषण के कारण देश भर में लाखों पक्षी अकाल मृत्यु का शिकार हो जाते हैं। अनेक लोग विशेषकर बच्चे व वृद्ध बहरे हो जाते हैं या ऊंचा सुनने लगते हैं। पटाखा चलाने से प्राप्त क्षणिक खुशी कई बार जीवन भर के गम का कारण बन जाती है। पटाखों से भीषण अग्निकांड हो जाते हैं जिससे करोड़ों अरबों रुपए की सम्पति जलकर स्वाहा हो जाती है और कई जानें चली जाती हैं। कई लोग जीवन भर के लिए अपाहिज हो जाते हैं तथा कई परिवार अनाथ हो जाते हैं अथवा अनेक परिवार बाल विहिन हो जाते हैं।पटाखा पर्यावरण के बड़े शत्रुओं में से एक है।गोयल ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि आओ हम सब मिलकर प्रदूषण रहित दीपावली मनाने का संकल्प करें।

पंजाब पुलिस ने छापेमारी कर 10 हजार ली

जनक्रांति से हरितक्रान्ति
हरित सत्याग्रह
आरे पे चलायी आरी।
सरकार बनी हत्यारी।।
जुड़ने के लिए सम्पर्क करें
हमारा पेज लाइक करें
हरितऋषि विजयपाल बघेल
9312644122
9412860010
/greenmanbaghel
greenmanbaghel@gmail.com
www.greenmanbaghel.com

प्लास्टिक का इस्तेमाल बन्द करें: पर्यावरण प्रेरणा

पल पल न्यूज: सिरसा, 29 जनवरी। पौधारोपण व वृक्षरक्षण, जल-ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण की रोकथाम, प्लास्टिक प्रयोग रोकने व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था 'पर्यावरण प्रेरणा' के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में प्लास्टिक प्रयोग पर बोलते हुए संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश गोयल ने बताया कि प्लास्टिक

का निर्माण कैमिकल आधारित है, इसलिए यह स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक है। जब कोई खाद्य सामग्री विशेषकर गर्म पदार्थ प्लास्टिक निर्मित पैकिंग, थैली या बर्तन में डाली जाती है तो उसमें कैमिकल का मिश्रण हो जाता है जो हानिकारक है। उन्होंने बताया कि जो लोग नियमित रूप से ऐसा करते हैं उन्हें कैंसर जैसे भयंकर रोग का सामना करना पड़ता है। माईक्रोवेव में जो लोग प्लास्टिक के बर्तन में खाद्य सामग्री गर्म करते हैं वे अनजाने में गम्भीर बीमारी को निमन्त्रण दे रहे होते हैं। माईक्रोबेव के उच्च तापमान के कारण उसमें रखे खाद्य पदार्थ में एक प्रकार का विष उत्पन्न हो जाता है और प्लास्टिक के गर्म हो जाने पर सम्बन्धित खाद्य पदार्थ जहर बन जाता है जो धीरे धीरे स्वास्थ्य को क्षीण करता रहता है। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक पर्यावरण का बहुत बड़ा शत्रु है। हजारों करोड़ टन प्लास्टिक कचरा नदी, समुद्र, पहाड़ व मैदान में एकत्रित हो जाता है। वास्तव में प्लास्टिक डि-कम्पोस्ट आसानी से नहीं होता और भूमि में दबाने पर भूमि की उपजाऊ शक्ति को खत्म कर देता है और यदि हम उसे जलाते हैं तो उसमें से जहरीली गैसे निकलती है जो स्वास्थ्य व पर्यावरण दोनों के लिए हानिकारक है। दुकानदारों से प्लास्टिक पैकिंग सामग्री प्रयोग बन्द करने की अपील करते हुए उन्होंने उन धर्मपरायण महानुभावों से इस ओर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया जो निरन्तर किसी भी नाम से प्रतिदिन या बार बार लंगर भंडारे आयोजित करते हैं व प्लास्टिक प्लेटों में सस्ता या निशुल्क भोजन उपलब्ध कराते हैं या पैक प्रसाद शोभा यात्रा में बांटते हैं या अन्य किसी ऐसे अवसर पर प्लास्टिक निर्मित डिस्पोजेबल सामान का प्रयोग करते हैं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य व पर्यावरण दोनों के लिए घातक होने के कारण ही सरकार ने इसके प्रयोग पर पाबन्दी लगाई है। शाखाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह ने उनका अभिनन्दन व सचिव संदीप खुराना ने आभार व्यक्त किया।

किया जाएगा।

जिस पर चिकित्सा मंत्री ने कार्यवाही का आश्वासन दिया।

राजवा ने मतदाताओं को भागीदारी को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जाति, धर्म व भाषा से ऊपर उठकर

आवश्यक रूप से मतदान का प्रयोग करना चाहिए। इस मौके पर विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

हरित ऋषि बघेल ने गोकुलवाड़ी पार्क में पेड़ काटने के विरोध में दिया धरना

भास्कर न्यूज | शिवगंज

ग्लोबल ग्रीन पीस मिशन की पांच करोड़ी हरित पगयात्रा शनिवार को शिवगंज पहुंचने पर पर्यावरण प्रेमियों ने हरित ऋषि विजयपाल बघेल एव उनकी टीम के सभी सदस्यों का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद शाम को हरित ऋषि बघेल की टीम सार्वजनिक पार्क में हरे पेड़ काटने की सूचना मिलने पर गोकुलवाड़ी मोहल्ले में पहुंची, जहां बघेल व उनकी टीम के सदस्य पार्क के बाहर ही पेड़ काटने के विरोध में धरने पर बैठ गए। जिसकी जानकारी मिलने पर एसडीएम भागीरथराम चौधरी व संबंधित राजस्व अधिकारी भी गोकुलवाड़ी पार्क पहुंचे और धरने पर बैठे बघेल से बात की तो उन्होंने पेड़ काटने के मामले की जांच कराने की मांग रखी। इस बीच वहां एकत्रित हुए मोहल्ले के लोगों ने ही धरने का विरोध किया, तो उन्होंने अपना धरना समाप्त कर दिया। जानकारी के अनुसार शहर के गोकुलवाड़ी पार्क मे नीलगिरी व आमली के करीब आधे दर्जन से अधिक हरे पेड़ लगे हुए थे, जिनकी कटाई करवा दी गई है। पांच करोड़ी हरित पगयात्रा के पहुंचने पर पर्यावरण प्रेमियों ने हरित ऋषि विजयपाल बघेल को सार्वजनिक पार्क के अंदर काटे गए हरे पेड़ों की जानकारी दी। इस पर बघेल एवं उनकी टीम सदस्य शाम करीब साढ़े चार बजे पार्क पहुंचकर

शिगवंज. पार्क में काटे हुए पेड़।

शिगवंज. एसडीएम से बात करते हरितऋषि बघेल एवं उनके टीम सदस्य।

हरे पेड़ काटने के विरोध में धरने पर बैठ गए। जिसकी जानकारी मिलने पर एसडीएम भागीरथराम चौधरी व हल्का पटवारी भी मौके पर पहुंचे और धरने पर बैठे बघेल से मिले। इस पर बघेल ने कहा कि इन हरे पेड़ों को काटने का आदेश जब तक नहीं दिखाएंगे, उस समय तक धरने से नहीं उठेंगे। एसडीएम ने इस पूरे मामले की जांच करवाने का आश्वासन दिया।

मोहल्ले के लोगों ने किया धरने का विरोध : इस दौरान वहां एकत्रित हुए मोहल्ले के लोगों ने पार्क में पेड़ों को काटने के कार्य को उचित बताते हुए धरने का विरोध किया। बघेल एवं उनकी टीम के व्यक्तियों ने विरोध कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास भी किया, लेकिन उन्होंने विरोध जारी रखा। लोगों का कहना था कि नीलगिरी के पेड़ों की ऊंचाई अधिक होने से पार्क में खेल रहे बच्चों व अन्य व्यक्तियों को हमेशा हादसा होने की आशंका रहती थी और उनके पत्ते गिरने से पार्क में कचरा फैला रहता था। लोगों का विरोध देखकर बघेल व उनकी टीम के सदस्यों ने धरना समाप्त कर दिया और वहां से रवाना हो गए।

हरे पेड़ काटना अनुचित

गोकुलवाड़ी पार्क में हरे पेड़ काटे गए, जिसका विरोध किया गया। एसडीएम भी मौके पर आए तो उन्होंने इस मामले की जांच करवाने का आश्वासन दिया। हमने एसडीएम को स्पष्ट बताया कि पेड़ काटने के मामले की जांच नहीं की तो इस बारे में मंत्रालय को शिकायत की जाएगी। इस दौरान वहां उपस्थित कुछ लोग या तो राजनीतिज्ञ होंगे या फिर नगर पालिका के संबंधित कोई व्यक्ति होंगे। उन्होंने पेड़ों की कटाई का समर्थन किया, जो पर्यावरण के हितार्थ उचित नहीं है।

-हरितऋषि विजयपाल बघेल

मामले की जांच कराएंगे

पांच करोड़ी पगयात्रा के विजयपाल बघेल एवं उनके कुछ सहयोगी गोकुलवाड़ी पार्क में पेड़ काटने के मामले का विरोध कर रहे थे। जिसकी सूचना मिलने पर वहां जाकर उनकी बात सुनी। पेड काटने के मामले की नियमानुसार जांच करवाई जाएगी। पार्क में नीलगिरी व कुछ अन्य पेड़ काटे गए है। लेकिन मौके पर उपस्थित लोगों का कहना था कि पार्क में जो पेड़ काटे गए है, वह पुराने होने से कभी भी हादसा हो सकता था।

-भागीरथराम चौधरी,
एसडीएम, शिवगंज

दत्ताणी ग्राम पंचायत में सरपंच व टीम ने किया पदभार ग्रहण

सिरोही | दत्ताणी ग्राम पंचायत में निर्वाचित सरपंच नीतिश अग्रवाल ने अपनी टीम के साथ शनिवार को ग्राम पंचायत में पदभार ग्रहण किया।

एक शाम गणतंत्र दिवस के नाम सांस्कृतिक संध्या आज

भास्कर न्यूज | सुमेरपुर

गणतंत्र दिवस पर 26 जनवरी की शाम तखतगढ़ रोड स्थित विजियाराजे सिंधिया टाउन हॉल

द्वारा गांधी जीवन यात्रा पर नाटक, अनुपम बाल निकेतन स्कूल द्वारा खूब लड़ी मर्दानी पर नृत्य, चेतना विद्या मंदिर द्वारा पुलवामा हमले पर नृत्य, यूनिक चिल्ड्रन

दमामी समाज का वार्षिक मेला 30 को

सुमेरपुर| नीलकंठ महादेव मंदिर परिसर स्थित मां सरस्वती मंदिर प्रांगण में दमामी समाज का वार्षिक मेला आगामी 30 जनवरी को होगा। आरडीएम के ब्लॉक अध्यक्ष खेताराम कालसा ने बताया कि मेले से पूर्व रात्रि में भजन संध्या

WATER WARRIOR

रमेश गोयल - जल स्टार

जल, प्रकृति का एक ऐसा उपहार है, जिसके बिना जीवन-यापन करना असम्भव है। देश में बढ़ती जल समस्या को समाप्त करने के लिए सभी की एकजुटता और जागरूकता अतिआवश्यक है। इसलिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है जल संरक्षण और उसके सदुपयोग के बारे में लोगों का जागरूक होना। देश में बढ़ रहे जल संकट से निजात पाने के लिए देश के कोने-कोने से लोग जल योद्धा के रूप में आगे आ रहे हैं और भिन्न-भिन्न तरीकों से जल बचाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य कर रहे हैं। आज हम इसी क्रम में आप का परिचय करायेंगे 'जल-स्टार रमेश गोयल' से।

पर्यावरण और जल संरक्षण को समर्पित सिरसा, हरियाणा के जल योद्धा रमेश गोयल पेशे से एक वकील हैं। वर्ष 2008 में 60 वर्ष की आयु में रमेश गोयल ने लोगों को जल संकट से निजात दिलाने और अधिक से अधिक लोगों को जल संरक्षण एवं इसके सदुपयोग के लिए जागरूक करने के लिए शपथ ली। जल योद्धा रमेश गोयल ने देश वासियों को जल का महत्व समझाने और इसके सदुपयोग के लिए लोगों को जागरूक करने हेतु विद्यालयों और महाविद्यालयों में सम्मेलन, समाचार पत्रों, टी.वी., एफएम रेडियो, जल बचत के प्रेरक बैनर और पुस्तकों के माध्यम से मुहिम की शुरुआत की। देश की भावी पीढ़ी को जल संकट जैसी समस्याओं से निजात दिलाने के लिए रमेश गोयल विद्यालय एवं महाविद्यालयों में जाकर जल के महत्व, सदुपयोग एवं संरक्षण के लिए छात्रों को जागरूक कर जल रक्षकों का निर्माण कर रहे हैं।

जल योद्धा रमेश गोयल ने 2012 में 'जल चालीसा' लिखी, जिसका विमोचन 24 अप्रैल 2012 को किया गया। इसकी अब तक 12 संस्करणों में 60 हजार प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं। इसके साथ ही श्री रमेश गोयल **"बिन पानी सब सून"**, "क्यों और कैसे बचाएं जल" पुस्तकों के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण और उसके सदुपयोग के लिए जागरूक करने हेतु निरंतर प्रयासरत हैं। रमेश गोयल ने अभी तक तकरीबन लाखों लोगों तक जल संरक्षण एवं इसकी बचत के लिए जागरूकता का सन्देश पहुंचाया है।

जल स्टार रमेश गोयल ने बताया कि जल ही जीवन है, यह जानते हुए भी हम पानी बर्बाद करते हैं। हवा, मिट्टी, पानी आदि प्रकृति की देन है, मगर इसका संरक्षण और सदुपयोग हमारा दायित्व है। एक व्यक्ति पूरे जीवन में जितना प्रदूषण फैलाता है उसे शुद्ध करने में तकरीबन 300 वृक्षों की शक्ति लगती है। एक व्यक्ति एक दिन में जितनी ऑक्सीजन ग्रहण करता है उससे 3 ऑक्सीजन सिलेंडर भरे जा सकते हैं, जिसकी अनुमानित लागत 2100 रुपये है। इस प्रकार एक व्यक्ति औसतन अपने जीवन काल में 5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की ऑक्सीजन प्रकृति से मुफ्त में प्राप्त करता है। परंतु बदले में प्रकृति को कुछ नहीं देता। यह आवश्यक नहीं कि आप जमीनी स्तर पर जाकर जल और पर्यावरण के लिए कुछ कार्य करें। आप अपने दैनिक दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव से एक बेहतर कल का निर्माण कर अपनी आने वाली पीढ़ी का जीवन खुशहाल बना सकते हैं। हर वर्ष एक पौधा लगाएं, कभी नल व्यर्थ खुला न छोड़ें, भोजन के लिए कम से कम बर्तन का प्रयोग करें आदि जैसे छोटे- छोटे कार्य अपनी दैनिक जीवनशैली में अपना कर आप भी देश के विकास में अपना योगदान दें सकते हैं।

जल बचेगा बिजली बचेगी: पर्यावरण प्रेरणा

पल पल न्यूज: सिरसा, 12 फरवरी। राजकीय उच्च विद्यालय कीर्तिनगर सिरसा में पर्यावरण संरक्षण व जागरूकता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था पर्यावरण प्रेरणा के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष जल स्टार रमेश गोयल ने विद्यार्थियों को जल की महता व कमी के कारणों पर बताते हुए जल बचाने की आवश्यकता पर चर्चा की। जल बचाने के छोटे छोटे उपाय जैसे हाथ धोते समय जब हम साबुन लगाते हैं उस समय टुंटी बन्द कर दें। मंजन-पेस्ट करते समय भी टंटी खुल्ली न छोड़ें। नहाते समय बाल्टी भर जाने पर टुंटी बन्द कर दें व मग से ही स्नान करें। छिड़काव बिल्कुल न करें, मिट्टी भरी वस्तु को झाड़ कर गीले

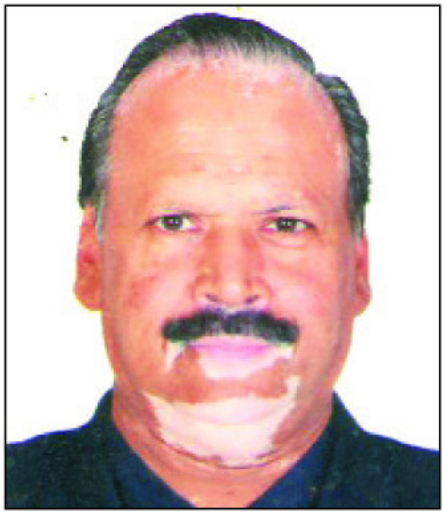

कपड़े से साफ करें। पाइप लगाकर फर्श व गाड़ी आदि न धोयें, भी बताये। उन्होंने बताया कि जल बचेगा तो बिजली स्वतः ही बचेगी क्योंकि पानी सप्लाई करने में व घरों में टंकी भरने के लिए मोटरें कम चलेगी। जब बिजली बचेगी तो धन भी बचेगा क्योंकि बिजली का बिल कम आयेगा। सरकार के पास इस प्रकार बचा हुआ धन विकास के कार्यों में लगेगा यानि पानी बचाकर हम जहां देश व समाज की एक समस्या को कम करने में सहयोग करेंगे, वहीं विकास कार्यों में भी भागीदार हो जायेंगे। इस अवसर पर सेवानिवृत प्रधानाचार्य प्रमोद गौतम भी उनके साथ थे। विद्यालय प्रमुख राजेन्द्र गुप्ता ने उनका अभिनन्दन व जगदीश बराच ने आभार व्यक्त किया।

जहां पे रहते हैं उसके आसपास

प्लास्टिक पर्यावरण व स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है: पर्यावरण प्रेरणा

पल पल न्यूज: सिरसा, 20 फरवरी। पर्यावरण रक्षण व जन जागरूकता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था पर्यावरण प्रेरणा के तत्वावधान में एच ब्लाक अशोक विहार दिल्ली के प्रतिभा विद्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता प्राचार्या विनीता बजाज ने की व संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश गोयल मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर जल स्टार गोयल ने विद्यार्थियों को जल की महता सहित जल बर्बादी के कारणों व बचत के उपायों के विषय में जानकारी दी। स्वच्छता के लिए खुले में कूड़ा कचरा न डालने का संकल्प कराया और प्लास्टिक से पर्यावरण व स्वास्थ्य को होने वाली हानियों पर विस्तृत चर्चा की तथा प्लास्टिक उत्पादन विशेषकर प्लास्टिक थैली व खाओ पियो और फैंकों वाला सामान यानि डिस्पोजेबल सामान प्रयोग न करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को इन बातों पर अपने घर में चर्चा करने का आहवान किया ताकि जागरूकता और बढ़े। प्राचार्या विनीता बजाज ने गोयल का अभिनन्दन किया और शिक्षक विपिन ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के नन्हें मुन्नों द्वारा प्लास्टिक प्रयोग के विरूद्ध मॉडलिंग के साथ एक गीत भी प्रस्तुत किया गया जो जागरुकता के लिए बहुत ही सराहनीय प्रयास था ।

हरियाणा के किसानों को 'डार्क जोन' से बाहर लाने की सरकार की कवायद

धान की बजाय दूसरी फसलों की खेती करने के लिए बनी योजना; कृषि वैज्ञानिकों व किसानों ने बताया सकारात्मक कदम

- हर साल 12 लाख हैक्टेयर में होती है धान की काश्त
- अब दालों, सब्जियों की खेती की ओर बढ़ सकता है किसानों का रुझान

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की ओर से गिरते भूजल स्तर पर अंकुश लगाने के लिए शुरू की गई 'मेरा पानी-मेरी विरासत' योजना का सकारात्मक असर नजर आने लगा है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल की ओर से 6 मई को इस योजना का आगाज किया गया और उसके बाद कृषि विभाग की ओर से 9 मई को अधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई। पिछले एक सप्ताह में ही सरकार की इस योजना को लेकर प्रदेश के हजारों किसानों का रुझान नजर आने लगा है और खास बात यह है कि इस योजना के लागू होने के बाद प्रदेश में अब तक 5.70 लाख हैक्टेयर में नरमे की काश्त की जा चुकी है।

किसान अब दाल, मक्के व सब्जी की खेती में भी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इस योजना के अंतर्गत पहले चरण में प्रदेश के 19 खंड शामिल किए गए हैं जिनमें भूजल की गहराई 40 मीटर से अधिक है। इनमें से खंड रतिया, सीवन, गुहला-चीका, पिपली, शाहबाद, बबैन, इस्माइलाबाद व सिरसा कुल 8 खंड ऐसे हैं जहां पर धान का रकबा सर्वाधिक है। पिछले खरीफ सीजन में इन 8 खंडों में 1 लाख 79 हजार हैक्टेयर में धान की फसल थी। इसके अलावा हरियाणा में अब 50 हॉर्स पॉवर से ऐ अधिक मोटर कनैक्शन वाले किसान धान की फसल नहीं उगा सकेंगे। प्रदेश में जो किसान धान की बजाय नरमा, मूंग, अरहर, उड़द, मक्का, तिल व सब्जियों की काश्त करेंगे, उन्हें सरकार की ओर से 7 हजार रुपए प्रति एकड़ की राशि दी जाएगी। इसके अलावा सरकार की ओर से डार्क जोन में आने वाले किसानों की ओर से सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली अपनाई जाएगी, उन्हें 80 प्रतिशत अनुदान सरकार की ओर से दिया जाएगा।

खास बात यह है कि धान की वैकल्पिक फसलें नरमा, मूंग, अरहर, उड़द, मक्का, तिल व सब्जियों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जाएगी। प्रगतिशील किसानों का मानना है कि इस योजना के लागू होने से प्रदेश की खेती की तस्वीर बदल जाएगी। हालांकि इस योजना के शुरूआती दौर में किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, मगर बाद में यही योजना किसानों के लिए नफे का सौदा साबित हो सकती है, ऐसा प्रदेश के अनेक किसानों का मानना भी है। अनेक किसान यह भी कहते हैं कि धान की बजाय वैकल्पिक फसलों की पैदावार उन्हें घाटा दे सकती है, इसलिए शुरूआती दौर में सरकार द्वारा किसानों को प्रति एकड़ न्यूनतम 30 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान करनी चाहिए। **प्रस्तुति: संजय अरोड़ा।**

प्रति एकड़ 30 हजार रुपए सहायता दे सरकार: लाली

कतेहाबाद के प्रगतिशील किसान जयपाल सिंह लाली का कहना है कि किसान भी पानी बचाने के हक में हैं। किसान अमर धान को छोड़कर सब्जी एवं अन्य फसलें उगाते हैं तो उन्हें उचित दाम नहीं मिलता है। लॉकडाऊन में किसान पहले ही आर्थिक मंदी की चपेट में हैं। एक एकड़ में करीब 30 से 32 क्विंटल धान होता है, जबकि वैकल्पिक फसलों की इतनी पैदावार संभव नहीं है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि फसल का तुलनात्मक आर्थिक गणित लगाते हुए धान की बजाय दूसरी फसलों पर 7 हजार रुपए प्रति एकड़ की बजाय 30 हजार रुपए प्रति एकड़ सहायता देनी चाहिए, ताकि किसानों को घाटे का सामना न करना पड़े।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सही फैसला: ढींडसा

अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं कुरुक्षेत्र जिला के शाहबाद के प्रगतिशील किसान डा. कुलदीप सिंह ढींडसा का कहना है कि यह एक स्वागत योग्य कदम है और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से यह सही फैसला है, क्योंकि भविष्य में जल की स्थिति को देखते हुए आज से ही इस योजना पर प्रभावी ढंग से कार्य करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि भूजल स्तर में सुधार के लिए उठाए गए कदम से लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस सीजन में यह योजना थोड़ी देरी से लागू की गई है। किसान अब तक फसल बोने को लेकर जहां धान की पनीरी तैयार कर चुका है, वहीं उसने फसल बोने को लेकर अपना माइंडसैट बना लिया है। फिर भी इस योजना से धान के रकबे में कमी आएगी और अगले वर्ष इस योजना के और अधिक बेहतर नतीजे देखने को मिलेंगे।

डार्क जोन में जा चुके हैं हरियाणा के अधिकतर खंड : गोयल

पिछले काफी समय से जल बचाने की मुहिम में लगे अधिवक्ता रमेश गोयल ने सरकार की नई योजना का स्वागत करते हुए कहा कि धान, गन्ना व तम्बाकू की खेती में अधिकतम पानी की आवश्यकता होती है और अधिक दोहन के कारण भूजल स्तर निरंतर गिरता जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के 119 खंडों में से अधिकतर डार्क जोन में जा चुके हैं यानी खतरनाक स्थिति में हैं और भूजल स्तर निरन्तर गिरते जाने के कारण ऊंच ब्लाक भी उसी दिशा में बढ़ रहे हैं। ऐसे में सरकार की इस योजना से भूजल की स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है।

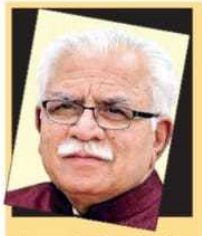

किसानों को डार्क जोन से निकालना योजना का उद्देश्य: खट्टर

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का कहना है कि मेरा पानी-मेरी विरासत योजना सरकार की एक ऐसी योजना है जिससे हम डार्क जोन में खेती कर रहे किसानों को इस स्थिति से उभार सकें। उनका कहना है कि हमारा उद्देश्य ये भी है कि हम आने वाली पीढ़ी को जल बचाने की दिशा में एक ऐसी विरासत दें ताकि उन्हें भविष्य में जल संकट का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री के अनुसार मेरा पानी-मेरी विरासत के सदर्भ में एक ऐसा पॉटल कार्य करेगा, जिसके तहत किसान अपनी समस्याएं रख सकेंगे और उनका प्राथमिकता के आधार पर निदान किया जाएगा।

लगातार गिर रहा भूजल स्तर बना चिंता का विषय

गौरतलब है कि हरियाणा में खरीफ सीजन में करीब 12 लाख हैक्टेयर में धान, साढ़े 6 लाख हैक्टेयर में नरमा, 4 लाख हैक्टेयर में सब्जियों, 5 लाख 70 हजार हैक्टेयर में बाजरा, 30 हजार हैक्टेयर में दालों, 35 हजार हैक्टेयर में मक्के की खेती की जाती है। इसके अलावा प्रदेश में करीब 67 हजार हैक्टेयर में बागवानी की जाती है। इस बार कृषि विभाग की ओर से जहां 12 लाख हैक्टेयर में धान, वहीं 6 लाख 74 हजार हैक्टेयर में नरमे की फसल का लक्ष्य रखा गया है। धान की फसल की वजह से प्रदेश में ट्यूबवैलों की संख्या लाखों में पहुंच गई है। इस वजह से प्रदेश में भूजल के लिहाज से स्थिति चिंताजनक बन गई है। पिछले दो दशक में भूजल स्तर में 10 मीटर तक की गिरावट आई है। ऐसे में सरकार ने अब धान के रकबे को कम करने की पहल की है। सरकार की ओर से धान के विकल्प के रूप में बोई जाने वाली फसलों को लेकर अनुदान देने की योजना लागू की है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि इस योजना के लागू होने के बाद धान का रकबा काफी कम हो जाएगा। इससे प्रदेश में भूजल के लिहाज से सुधार देखने को मिल सकता है। आने वाले कुछ वर्षों में इसके काफी अच्छे परिणाम सामने आने की उम्मीद है। इस योजना का एक मकसद प्रदेश में दलहन, मक्के व सब्जियों की खेती को भी बढ़ावा देना है। सरकार का मानना है कि इस योजना के आने से प्रदेश में दालों का रकबा 1 लाख हैक्टेयर तक पहुंच जाएगा और प्रदेश एक बार फिर से दालों में आत्मनिर्भर हो जाएगा। मौजूदा समय में अधिकांश दाल राजस्थान से मंगवाई जाती है।

ये है 8 खंडों में स्थिति

खंड	भूजलस्तर	पिछली बार रकबा
रतिया	41.60	41,336
सीवन	49.88	10,678
गुहला-चीका	41.38	41,259
पिपली	42.82	12,854
शाहबाद	45.38	18,950
बबैन	42.04	8,327
इस्माइलाबाद	45.16	16,246
सिरसा	47.43	30,501

पिछले 6 वर्षों में हरियाणा में धान का रकबा

वर्ष	रकबा
2012-13	12,06,000
2013-14	12,44,000
2014-15	12,77,000
2015-16	13,53,000
2016-17	13,86,000
2017-18	14,22,000

इस साल जिलावार धान का लक्ष्य (हैक्टेयर में)

जिला	रकबा
हिसार	56,000
कतेहाबाद	90,000
सिरसा	75,000
भिवानी	10,000
रोहतक	45,000
झज्जर	30,000
सोनीपत	95,000
गुरुग्राम	3,000
फरीदाबाद	7,000
करनाल	1,50,000
पानीपत	60,000
कुरुक्षेत्र	1,08,000
कैथल	1,57,000
अम्बाला	80,000
पंचकुला	8,000
यमुनानगर	65,000
जींद	1,20,000
महेंद्रगढ़	0
रेवाड़ी	1,000
मेवात	5,000
पलवल	20,000
बरखी दादरी	15,000
कुल	12,00,000

Catch THE Rain

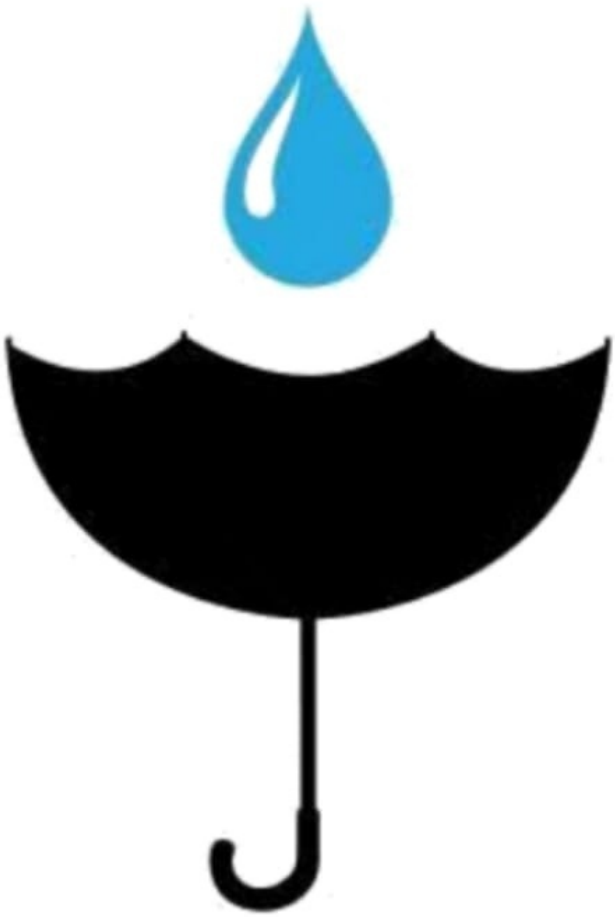

जल की सोचें, कल की सोचें,
जीवन के पल-पल की सोचें।
बड़ी भूल है भूजल दोहन,
यही बताता है भूकम्पन।
कम वर्षा है अति तड़पाती,
बिन पानी खेती जल जाती।
वर्षा जल एकत्र करेंगे,
इसी बात का ध्यान धरेंगे।

हरे-भरे हम पेड़ लगाएं,
उमड़-घुमड़ घन बरखा लाएं।
पेड़ों के बिन मेघ ना बरसें,
लगें पेड़ तो फिर क्यों तरसें।
हम सुधरेंगे जग सुधरेगा,
बूंद-बूंद से घड़ा भरेगा।
जन जन हमें जगाना होगा,
जल सब तरह बचाना होगा।

रमेश गोयल

पर्यावरण प्रेरणा

(वृक्षारोपण व वृक्ष रक्षण, जल-ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण,
प्लास्टिक मुक्ति व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था)
सम्पर्क: 9416049757
paryavaranprerana@gmail.com

बचाना होगा निश्चित जल

एक था राजा एक थी रानी, फिर ना कहना एक था पानी ।
अगर खुशहाल बनाना है कल, बचाना होगा निश्चित जल ।।

प्रातः काल उठना शुभकारी, जल पीना होता हितकारी ।
खुल्ला नहीं रह जाए नल, बचाना होगा निश्चित जल।।

शौच से आकर हाथ धोना, कुल्ला करना व मुंह धोना।
साबुन लगाते चले ना नल, बचाना होगा निश्चित जल ।।

शेव करें या करें हम पेस्ट, करें नल बन्द करने का कष्ट।
बिना जरूरत चले ना नल, बचाना होगा निश्चित जल ।।

नहाते समय बाल्टी भरना, फव्वारा उपयोग ना करना।
बाल्टी भरे पर बहे ना जल, बचाना होगा निश्चित जल ।।

पाईप लगा कर फर्श ना धोना, धूले कार तो जल मत खोना।
पाईप से बहे कभी न जल, बचाना होगा निश्चित जल ।।

बिन कारण टुंटी मत खोलो, बन्द करो हाथ जब धोलो।
बेकार कभी भी चले न नल, बचाना होगा निश्चित जल ।।

प्यास लगे तो चाहिए पानी, नहीं मिले याद आए नानी।
प्राण बचाता तब केवल जल, बचाना होगा निश्चित जल ।।

तीन चौथाई जल दुनिया अन्दर, भरे पड़े हैं कई समन्दर ।
काम ना आता खारा जल, बचाना होगा निश्चित जल ।।

हम सब मिल संकल्प करेंगे, पानी कभी ना व्यर्थ करेंगे।
ताकि कभी ना सुखे नल, बचाना होगा निश्चित जल ।।
-रमेश गोयल

Rotary India Water Mission
Rotary Club of Jamnagar
RI District 3060

- जलयोद्धा-9979969595 -

पर्यावरण प्रेरणा

पौधारोपण व वृक्ष बचाने, जल-ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, प्लास्टिक से मुक्ति व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था

संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष

पर्यावरणविद् व जल स्टार रमेश गोयल

जलशक्ति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सम्मानित 'वाटर हीरो'

email : rameshgoyalsrs@gmail.com
www.facebook.com/rameshgoyalsrs

M. 094160-49757

email : paryavaranprerana@gmail.com
www.facebook.com/ramesh.goyal.52

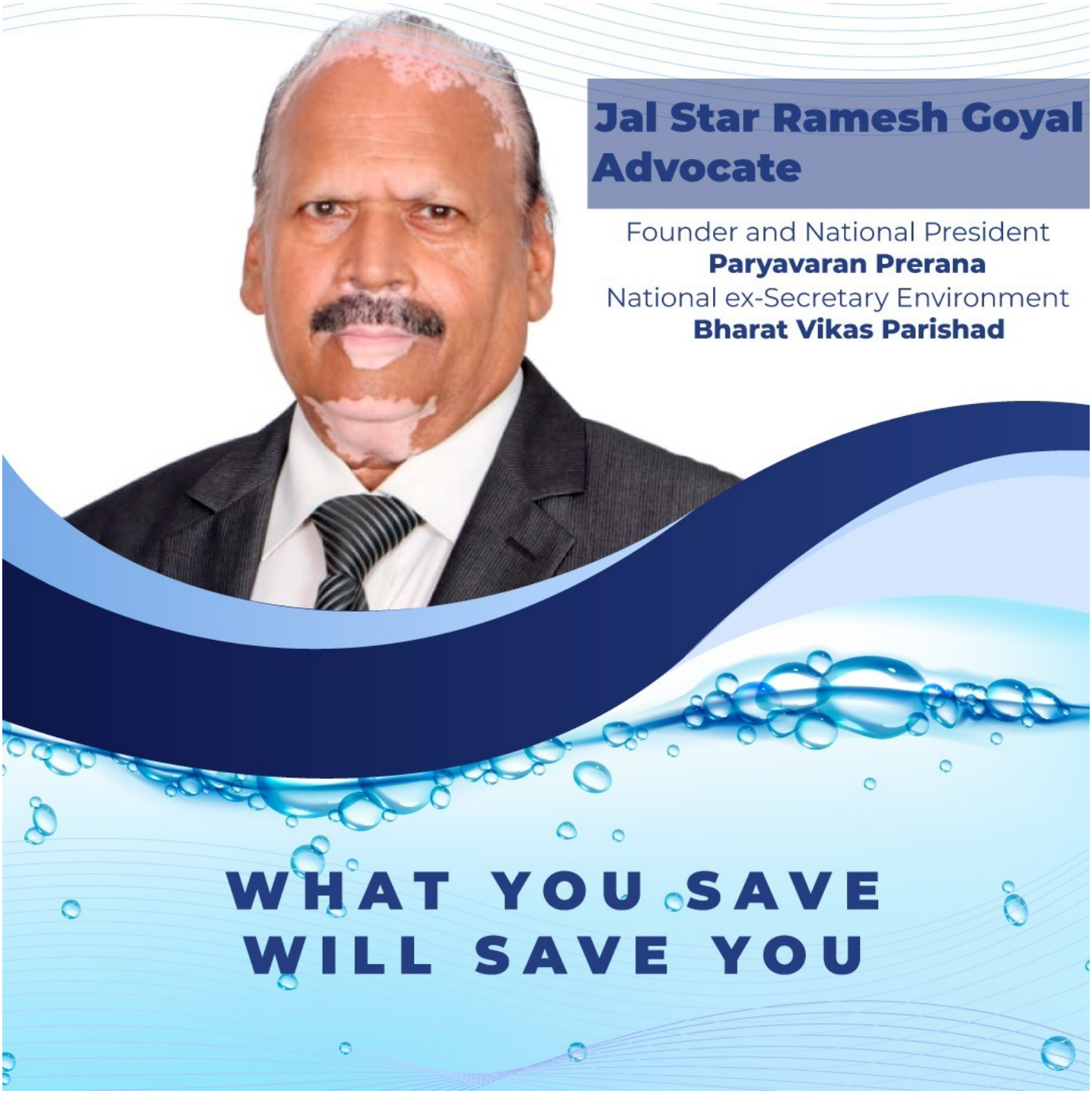
Jal Star Ramesh Goyal
Advocate
Founder and National President
Paryavaran Prerana
National ex-Secretary Environment
Bharat Vikas Parishad
WHAT YOU SAVE
WILL SAVE YOU

दिल्ली न्यूज़ 7
सबके साथ सबकी बात
गुरुवार, 10 जून 2021 ई-मेल : dillinews7editor@gmail.com www.dillinews7.in

विश्व पर्यावरण दिवस पर बक्सवाहा जंगल को न काटने की उठी मांग

सिरसा (संवाददाता)।

विश्व पर्यावरण दिवस पर 5 जून को राष्ट्रीय संस्था पर्यावरण प्रेरणा की सिरसा शाखा के तत्वावधान में बक्सवाहा जंगल बचाने के लिए स्थानीय जगदेव चौक पर संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष जलस्टार रमेश गोयल के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया और बक्स्वाहा जंगल न काटने की मांग की गई।

श्री गोयल ने प्रश्न किया कि पेड़-ऑक्सीजन जरूरी या हीरा। वास्तव में मध्य प्रदेश के छतरपुर इलाके में बक्सवाहा जंगल के नीचे दबे लगभग 50000 करोड़ के हीरा उत्खनन के लिए लगभग ढाई लाख पेड़ों को काटा जाना है। बक्सवाहा की जमीन के नीचे छिपे बहुमूल्य हीरों को प्राप्त करने के लिए राज्य सरकार ने एक निजी कम्पनी को बक्सवाहा के जंगल 50 साल के लिए लीज पर दे दिए हैं, क्योंकि इस जमीन के नीचे छुपे हैं। पन्ना से 15 गुना ज्यादा हीरे और इन्हीं हीरों को पाने के लिए 382.131 हैक्टेयर के जंगल का कत्ल कर दिया जाएगा, जिसके लिए मध्यप्रदेश सरकार ने स्वीकृति दे दी है। स्थानीय लोगों ने सरकार के विरुद्ध आंदोलन आरम्भ कर दिया है। वन अधिकार कार्यकर्ता इस क्षेत्र में रहने वाले वन्यप्राणियों और आम लोगों के हित को देखते हुए पेड़ काटे जाने का प्रबल विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि बक्सवाहा बचाओ आंदोलन को देश भर के पर्यावरण प्रेमियों व कार्यकर्ताओं का समर्थन मिल रहा है। प्रकृति व पर्यावरण के विपरीत विकास के नाम पर किए जा रहे विनाश व काटे जा रहे अनंत वृक्षों के कारण ही 'कोरोना' जैसी महामारी का दुष्प्रभाव हुआ है। सड़कों का जाल बिछाने, मार्गों को चौड़ा करने, नए उद्योग स्थापित करने, नई कलोनियां या शहर विकसित करने आदि के नाम पर प्रति वर्ष एक-एक प्रांत में लाखों वृक्षों का कत्ल किया जा रहा है। पौधारोपण, वृक्षारोपण के नाम पर औपचारिकताएं पूरी करते हुए अरबों रुपये का भ्रष्टाचार हो रहा है।

रमेश गोयल ने कहा कि अब से लगभग एक सौ वर्ष पूर्व पृथ्वी पर 50 प्रतिशत जंगल था, जो अब 10 प्रतिशत से भी कम रह गया है। जंगल मे रहने वाले लाखों प्राणी मोर, हिरण, नीलगाय, बंदर बहुत से पक्षी व अन्य जीव सभी बेघर हो जाएंगे, साथ ही बुंदेलखंड की जमीन से एक सुंदर जंगल का नामो निशान मिट जाएगा। जंगल से मिलने वाला लाखों टन फल व अन्य भोज्य पदार्थों से वंचित होना पड़ेगा। आज के समय में ऐसे जंगल को निर्मित कर पाना असंभव है हमें इसे बचाना ही होगा।

उन्होंने कहा कि सोचिए पूर्ण गम्भीरता से सोचिए कि यदि इसी प्रकार प्रकृति का दोहन होता रहा तो भविष्य में आप व आपकी भावी पीढ़ियां कंधों पर ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर चलेंगे। ऑक्सीजन की महत्ता आपने मार्च 2021 से प्रत्यक्ष रूप से देखी व भुगती है। पेड़ों की कमी के कारण वर्षा भी अनियंत्रित व अनियमित हो रही है, विश्व भर में सामान्य हो चुकी प्राकृतिक आपदाओं का मूल कारण यही है।

उन्होंने जन सामान्य से अपील की कि मिलकर बक्सवाहा जंगल व इस प्रकार काटे जाने वाले अन्य वृक्षों को बचाने का प्रयास करें। उल्लेखनीय है कि इस जंगल को बचाने के लिए संस्था की ओर से उपायुक्त महोदय को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व मुख्य न्यायाधीश के नाम ज्ञापन भी दिया गया था। यह जानकारी देते हुए शाखाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह ने बताया कि इस संस्था पर्यावरण के सभी घटकों पर कार्य कर रही है। विश्व पर्यावरण दिवस पर ही 'थैली छोड़ो थैला पकड़ो' अभियान का शुभारम्भ किया गया है ताकि पोलिथिन मुक्त नगर व जिला बना सकें। इस अवसर पर सन्दीप खुराना, उपाध्यक्ष मोहित सोनी व नगर के पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे।

पर्यावरण का संरक्षण करके अपनी आने वाली पीढ़ियों को महत्वपूर्ण तौफा दे सकते हैं : प्रो. गर्ग

सिरसा केसरी| न्यूज

सिरसा। पर्यावरण संरक्षण में मीडिया की अहम भूमिका है। पर्यावरण का संरक्षण करके हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को महत्वपूर्ण तौफा दे सकते है। केवल सूचनाओं से काम नहीं चलेगा बल्कि पाठको व दर्शकों के मन में पर्यावरण के प्रति प्रेम जागृत कर मीडिया अपने दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन कर सकता है। ये विचार पंजाब के केन्द्रिय विश्वविद्यालय भटिंडा के स्कूल ऑफ इन्वायर्मेन्ट एण्ड अर्थ सांइसिज के डीन प्रो. विनोद कुमार गर्ग ने चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय सिरसा के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा पर्यावरण संरक्षण में मीडिया की भूमिका विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार का उद्घाटन करने के उपरान्त प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रो. गर्ग ने कहा कि जलवायु परिवर्तन तथा पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण विकास के घटक है और इनकी अनदेखी करके यदि कोई राष्ट्र विकास भी करता है तो उसका कोई महत्व नही है। उन्होंने अनेक अनुकरणीय उदाहरण देकर प्रतिभागियों को पर्यावरण प्रेमी होने के लिए प्रेरित किया उन्होने बडें ही बेहतरीन ढंग से बताया कि किस प्रकार हमारे पूर्वज व भारतीय संस्कृति प्रारम्भ से ही पर्यावरण संरक्षण पर जोर देती है। उन्होंने कहा कि सूचनाओं की अधिकता होने की वजह से सूचना प्राप्क दिगभ्रमित है और यह नही पता चल पाता। तो ऐसी स्थिति में मीडिया शिक्षकों कि जिम्मेदारी बनती है कि वे फेक न्यूज की पहचान करे और समाज के सामने प्रस्तुत करें।

एकेडमिक गतिविधियां करवाई जा रही है

मुख्य अतिथि तथा वक्ताओं का स्वागत विभाग के अध्यक्ष एवं वेबीनार के संयोजक डॉ. सेवा सिंह बाजवा ने किया जबकि धन्यावाद एवं संचालन विभाग के प्राध्यापक एवं वेबीनार के सह संयोजक डॉ. अमित सांगवान ने किया। डॉ. अमित ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजमेर सिंह मलिक के दिशानिर्देशन में गत छह माह से एक ऐसा शेक्षणिक महौल तैयार हुआ है कि लगभग प्रत्येक विभाग द्वारा नियमित रूप से एकेडमिक गतिविधियां करवाई जा रही है। विभाग के प्राध्यापक डॉ. रविन्द्र ने इस वेबीनार के संगठन सचिव की भूमिका निभाई। उद्घाटन सत्र में सिरसा शहर के पर्यावरणविद् रमेश गोयल ने मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए जल संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि जल है तो जीवन है और पानी को बरबाद कम से कम किया जाना चाहिए।

आओ जल संचय का संकल्प लेवें

अनमोल है तेरी एक-एक बूँद,
फिर भी ली हैं हमने आँखें मूँद ...

जल स्टार रमेश गोयल
राष्ट्रीय अध्यक्ष, पर्यावरण प्रेरणा
9416049757

पर्यावरण प्रेरणा
थैली छोड़ो
थैला पकड़ो

'गोयल के जल बचाओ मिशन ने 13 साल किए पूरे'

सिरसा, 5 मई (स.ह.): जल बचाने के लिए प्रेरित करने वाले अधिवक्ता रमेश गोयल को मुहिम चलाते पूरे 13 साल हो गए हैं। वर्ष 2008 में 60 वर्ष की आयु में जल संरक्षण जागरुकता अभियान आरम्भ करने वाले जल स्टार रमेश गोयल को भारत सरकार के जलशक्ति मंत्रालय द्वारा वाटर हीरो अवार्ड दिए जाने से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनी है। संघर्षशील कार्यकर्त्ता रमेश गोयल ने 1960-63 में पूरानी किताबें खरीद बेचकर अपनी शिक्षा के खर्च की व्यवस्था की। वहीं दसवीं में पढ़ते हुए आठवीं श्रेणी के छात्रों को ट्यूशन पढ़ाई। 1965 से 1970 के बीच पारिवारिक आय बढ़ाने के मकसद से कैलेंडर व एल्युमिनियम नाम पट्टिकाओं के बुकिंग एजेन्ट के रूप में भी काम किया तथा लाटरी टिकटें भी बेची।

दिन में कोर्ट में ओपन टाइपिंग व अन्य कामों के साथ-साथ नेताजी सुभाष बोस प्रतिमा के लिए चन्दा मांगते व शाम को सांध्यकालीन कॉलेज में जाते। 6 मई 2008 को विवेकानन्द वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिरसा से जल बचत अभियान आरम्भ करने वाले रमेश गोयल अब राष्ट्रीय स्तर पर किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। 1970 से आयकर व्यवसायी के रुप में कार्यरत व जल स्टार के नाम से विख्यात रमेश गोयल अब तक देश भर में 400 से अधिक शिक्षण संस्थाओं व अन्य कार्यक्रमों में जा कर 5 लाख से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों व जनता को प्रत्यक्ष

गोयल द्वारा जल संरक्षण पर बनाई वीडियो का विमोचन करते राज्यपाल। *(फाइल फोटो)*

रूप से तथा टी.वी., दूरदर्शन, रेडियो व समाचार पत्रों के माध्यम से लोगों को जल बचत हेतु प्रेरित कर चुके हैं और यही अब जीवन का लक्ष्य एवं मिशन है। उनके द्वारा रचित बिन पानी सब सून पुस्तक का विमोचन 8 मई, 2010 को हरियाणा के राज्यपाल द्वारा किया गया। अप्रैल 2012 मे लिखित जल चालीसा का विमोचन हरियाणा के मुख्यमन्त्री द्वारा किया गया। जबकि वीडियो का विमोचन उड़ीसा के राज्यपाल प्रो.गणेशी लाल ने सितम्बर 2018 में किया था। जल संरक्षण हेतू गोयल द्वारा रचित 108 चौपाईयों वाला जल मनका बचाना होगा निश्चित जल प्रकाशनाधीन है।

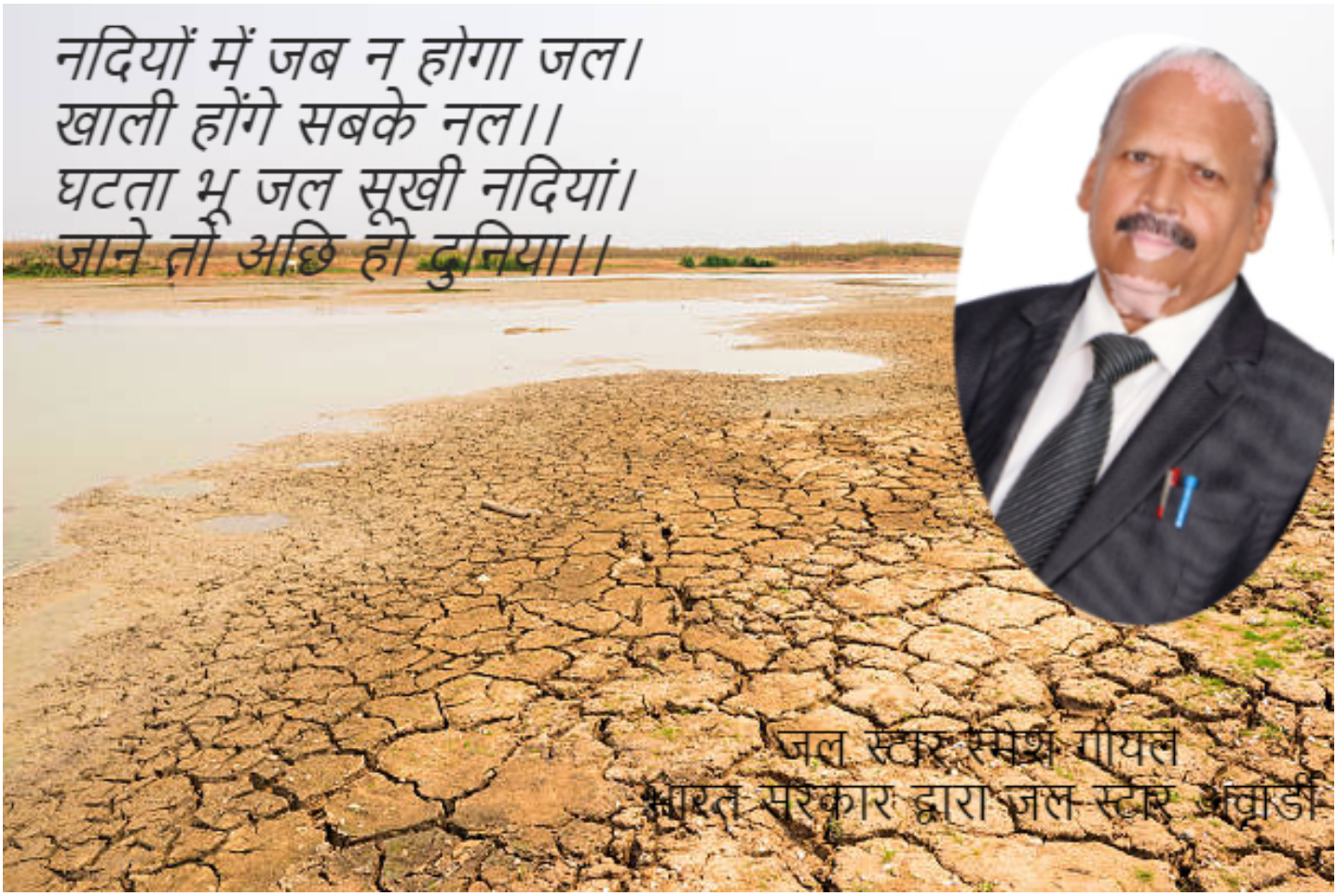
नदियों में जब न होगा जल।
खाली होंगे सबके नल।।
घटता भू जल सूखी नदियां।
जाने तो अछि हो दुनिया।।
जल स्टार रमेश गोयल
भारत सरकार द्वारा जल स्टार अवार्डी

जल संरक्षण के लिए सुनाया जल चालीसा

उदय भूमि ब्यूरो

पिलखुआ। युवा जल संरक्षण समिति द्वारा चलाए गए जल संरक्षण अभियान मे सब्जी मंडी और राजपूताना रेजीमेंट इंटर कॉलेज के आसपास की आबादी क्षेत्र के लोगों को जल का महत्व समझाया। सचिन तोमर ने बताया की भूजल स्तर दिन प्रतिदिन गिरता जा रहा है सभी इसलिए सभी को जल का सदुपयोग करना चाहिए जल की बबार्दी से परहेज करें। सुमित दुबे ने सभी को जल चालीसा का पाठ सुनाया तथा जल के पुनः प्रयोग क्रम के बारे में जानकारी दी। टीम के सदस्यों ने आगे बढ़ कर जल की बबार्दी ना करने पर जोर दिया। इस दौरान नगर अध्यक्ष मधुसूदन जी, पर्यावरण प्रहरी अमित कुमार, कपिल वर्मा, गौरव, नितिन टांक सुमित तोमर, प्रिंस, रोहित, कार्तिक, दीपम,विवेक शर्मा, सोनू, शिवा, विपिन, तुषार आदि उपस्थित रहे।

घर में रहें सुरक्षित रहें
बाहर निकलने से
पहले सोचें
ऐसी भी क्या वह मजबूरी है।
जीवन से भी अधिक जरूरी है।।
वर्तनाम महामारी को हल्के में न लें
मास्क लगाएं - दूरी बनाकर रखें
न मेहमान बुलाएं - न किसी के जाएं
फोन पर अपनों से सम्पर्क बनाये रखें,
विडिओ से मिलते-जुलते रहें।

जल स्टार रमेश गोयल
Mob. 9416049757